संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -14 शुक्रवार ,15 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

राहुल बोले...मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा

» देश में 8 प्रतिशत आदिवासी लेकिन संसाधनों में सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सेदारी...

» जल-जंगल-जमीन पर पहला हक उनका...

मुंबई,14 नवम्बर 2024 (ए)। राहुल ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी संविधान पढ़ा नहीं है, इसलिए उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब खाली है। वे महाराष्ट्र के नंदुरबार में रैली को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान संविधान की प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा-भाजपा को किताब का लाल रंग पसंद नहीं, लेकिन हमें इसकी परवाह नहीं कि रंग लाल है या नीला। हम इसे (संविधान) बचाने के लिए अपनी जान भी देने को तैयार हैं।

दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा दिखाई जाने वाली लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की थी। पीएम मोदी ने भी 9 नवंबर को तंज किया था कि राहुल गांधी संविधान की जो किताब लेकर घूम रहे हैं, उसके पन्ने खाली हैं।

राहुल बोले...सरकार चलाने वाले 90 अधिकारियों में से केवल 1 आदिवासी

राहुल ने आगे कहा-अभी 8 प्रतिशत आदिवासी आबादी के पास संसाधनों में सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आदिवासियों को वनवासी कहकर उनका अपमान करते हैं।

आदिवासी देश के पहले मालिक हैं। जल, जंगल और जमीन पर पहला हक उनका है, लेकिन भाजपा चाहती है कि आदिवासी बिना किसी अधिकार के जंगल में रहें। उन्होंने दावा किया कि सरकार चलाने वाले 90 अधिकारियों में से केवल एक आदिवासी समुदाय से है।

इन्हें देश के विकास में खर्च के लिए अगर 100 रुपए मिलते हैं तो आदिवासी अधिकारी के हिस्से केवल 10 पैसे आते हैं। देश में 100 नागरिकों में आठ आदिवासी हैं, जबकि भागीदारी 100 रुपए में सिर्फ 10 पैसे है। आदिवासी अधिकारी को अच्छे विभाग भी नहीं दिए जाते।

एचएनएलसी संगठन गैर कानूनी घोषित

केंद्र सरकार ने लगाया 5 साल का बैन,

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2024 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मेघालय में सक्रिय एचएनएलसी संगठन को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। हाइनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल को देश के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने पर गैरकानूनी घोषित करते हुए इसके ऊपर अगले पांच साल तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस मामले में गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि सरकार ने विधि विरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 की 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये कार्रवाई की। इस संगठन और इसके सभी गुटों, शाखाओं और अग्रणी संगठनों के साथ विधिविरूद्ध संगठन घोषित करते हुए इसके ऊपर 16 नवंबर से अगले पांच सालों तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया है।

गृह मंत्रालय ने इसलिए लगाया बैन

गृह मंत्रालय ने बताया कि एचएनएलसी संगठन अपने गुटों, शाखाओं और अन्य संगठनों के साथ मेघालय राज्य के क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है। जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है। यह संगठन मेघालय राज्य के उन क्षेत्रों को जिनमें अधिकांशः खासी और जयंतिया जनजाति के लोग रहते हैं। उन्हें भारत से अलग करने की कोशिश की है।

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार की यह भी राय है कि यह संगठन उपरोक्त गतिविधियों में शामिल रहते हुए भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है। इसे समय रहते रोका जाना और इसके उपर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। नहीं तो यह फिर से संगठित होकर हथियारबंद होकर देश के खिलाफ अपने कैडरों का विस्तार करेगा।

इससे देश के नागरिकों और सुरक्षाबलों के जीवन और संपत्तियों को भी नुकसान होने का खतरा है। इस तरह से यह संगठन अपनी राष्ट विरोधी गतिविधियों को तेज कर सकता है। इसलिए इस संगठन को गैर कानूनी घोषित करते हुए इसके उपर अगले पांच सालों तक और प्रतिबंध लगाया जाता है।

देश की संक्षिप्त खबरें

पीसीएस-प्री की परीक्षा में वन डे वन शिफ्ट को मंजूरी

आरओ,एआरओ परीक्षा भी स्थगित

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस-प्री और आरओ-एआरओ की परीक्षा में वन डे वन डे वन शिफ्ट का मंजूरी दे दी है। प्रयागराज में छात्रों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांगों और विरोध प्रदर्शनों को आखिरकार सफलता मिली है।

चुनाव आयोग की टीम ने गोवा के सीएम प्रमोद सावंत का बैग किया चेक

सतारा,14 नवम्बर 2024 (ए)। चुनावी राज्य महाराष्ट्र में चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को सतारा में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के बैग की चेकिंग की गई। महाराष्ट्र चुनाव को निष्पक्ष रूप से पूरा कराने के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह सक्रिय है। आयोग की टीम बड़े नेताओं पर भी नजर बनाए हुए है। उनके सामानों की जांच भी की जा रही है। इसी सिलसिले में गुरुवार को सतारा में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के बैग की जांच की गई।

अमानतुल्लाह खान को राहत

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2024 (ए)।आप विधायक अमानतुल्लाह खान को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उनके खिलाफ दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है। अदालत ने उन्हें रिहा करने का आदेश दिया है।

केंद्र ने मणिपुर के इन पांच जिलों में एएफएसपीए किया लागू

इंफाल,14 नवम्बर 2024 (ए)। मणिपुर में बीते कुछ महीनों से चल रही हिंसा के बीच, केंद्र सरकार ने राज्य की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर के पांच जिलों इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिष्णुपुर के कुछ इलाकों को अशांत क्षेत्र घोषित करते हुए वहां सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को लागू कर दिया है।

फर्जी आईडी से बैंक खाते खुलवाने के मामले में ईडी की एंट्री

» महाराष्ट्र व गुजरात में 23 जगहों पर छापेमारी...

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2024 (ए)। भारतीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित वोट जिहाद मामले के तहत महाराष्ट्र और गुजरात में 24 स्थानों पर छापेमारी की है। यह मामला मुख्य रूप से फर्जी दस्तावेजों और नकली केवाईसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोलने से जुड़ा हुआ है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक ये छापेमारी विशेष रूप से वित्तीय धोखाधड़ी और अवैध तरीके से बड़ी संख्या में बैंक खाते खोलने के मामले में की जा रही है। ईडी की जांच में पाया गया है कि कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों और नकली केवाईसी के जरिए कई बैंक खातों को खोला गया। यह आरोप लगाया जा रहा है कि इन खातों का उपयोग वोट जिहाद के उद्देश्य से किया गया जिससे चुनावों में धोखाधड़ी की कोशिश की जा रही थी। ऐसे मामलों में बैंकिंग प्रणाली का दुरुपयोग कर जन प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया था। ईडी के सूत्रों ने बताया कि छापेमारी महाराष्ट्र और गुजरात के कई प्रमुख स्थानों पर चल रही है। अहमदाबाद में 13 स्थानों पर, सूरत में 3 जगहों पर, मालेगाव में 2 जगहों पर, नासिक में एक स्थान पर और मुंबई में 5 स्थानों पर एक साथ छापे मारे जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान विभिन्न दस्तावेज और सबूत इकट्ठे किए गए हैं जो जांच की दिशा में अहम हो सकते हैं।

अपराध की गंभीरता और जांच की आगे की प्रक्रिया

इस मामले को लेकर जांच एजेंसी ने साफ किया है कि मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है उन्हें जांच में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा इस प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकिंग और अन्य वित्तीय संस्थानों से कड़ी निगरानी की उम्मीद जताई जा रही है। ये मामला भारतीय लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया और बैंकिंग तंत्र से जुड़ी गंभीर चिंताओं को उजागर करता है।

मतदाता सूची में संशोधन का शेड्यूल जारी

चंडीगढ़,14 नवम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब में नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य चुनाव आयोग ने बुधवार को 5 नगर निगमों अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला, फगवाड़ा और 43 नगर परिषदों व नगर पंचायतों के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग की तरफ से चुनावों के लिए मतदाता सूचियों में संशोधन का शेड्यूल जारी किया गया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 14 नवंबर को किया जाएगा और दावे एवं आपत्तियां 18 नवंबर से 25 नवंबर तक दर्ज की करवाई जा सकेगी। दावे और आपत्तियों का निपटारा 3 दिसंबर तक किया जाएगा और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 दिसंबर को किया जाएगा।

सीजेआई संजीव खन्ना का दिखा एक्शन

चंद्रचूड़ ने जिस प्रथा को बंद किया था उसे फिर किया लागू

नई दिल्ली,14 नवम्बर 2024 (ए)। भारत के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने 16 पीठों को नए मामलों के आवंटन के लिए एक नया रोस्टर जारी किया है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया है कि प्रधान न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली पहली तीन अदालतें क्रमशः पत्र याचिकाओं और जनहित याचिकाओं की सुनवाई करेंगी। प्रधान न्यायाधीश के आदेश के तहत नए मामलों के आवंटन के लिए रोस्टर को सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री ने अधिसूचित किया और यह 11 नवंबर से प्रभावी हो गया है।नागरिकों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को लिखे गए पत्रों से उत्पन्न नयी याचिकाओं और नयी जनहित याचिकाओं (पीआईएल) की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ करेंगी। पत्र याचिकाओं और जनहित याचिकाओं के अलावा, प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ अधिकतम मुद्दों पर विषयवार विचार करेगी, जिनमें सामाजिक न्याय से संबंधित मामले, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवाद और सांसदों और विधायकों के चुनाव से संबंधित अन्य मामले, बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले और मध्यस्थता के मामले शामिल हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ चुनाव संबंधी याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगी। पूर्व प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित सभी पीठों को जनहित याचिकाएं आवंटित करते थे और लेकिन पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने इस प्रथा को बंद कर दिया था। विषयवार मामलों का आवंटन 16 वरिष्ठ न्यायाधीशों को किया गया है जो पीठों की अध्यक्षता करेंगे। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला, जो पूर्व प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ के साथ पीठ साझा कर रहे थे वह सामान्य दीवानी मामलों के अलावा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर मामलों को भी देखेंगे।

थप्प कांड का आरोपी नरेश मीणा पहुंचा थाना

» बोला-एसडीएम फर्जी वोटिंग करा रहे थे...

» मुझ पर मिर्ची बम से किया हमला

टोंक,14 नवम्बर 2024 (ए)। राजस्थान में एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले नरेश मीणा अपनी गिरफ्तारी देने के लिए पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए एसडीएम फर्जी वोटिंग करा रहे थे, इसलिए हमने उन्हें थप्पड़ मारा। उन्होंने पुलिस को घेरते हुए कहा कि मुझ पर मिर्ची बम से हमला किया गया। इतना ही नहीं पुलिस वालों ने ही गांव में खड़ी गाड़ियों में आग लगाई। इस दौरान नरेश मीणा ने बताया कि उनकी तीन प्रमुख मांगें हैं। उन्होंने कहा कि जिले के एसपी, कलक्टर और उस एसडीएम के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कई आईएएस अफसरों के हुए तबादले

रायपुर,14 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के छह आईएएस अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव किया है, जिसमें एक कलेक्टर भी शामिल हैं। इस फेरबदल में बलरामपुर के कलेक्टर को बदल दिया गया है। साथ ही, प्रियंका शुक्ला के कार्यभार में वृद्धि की गई है, और संजीव कुमार झा को पाठ्य पुस्तक निगम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिम्स में खरीदी में हुए करप्शन की जांच शुरू

पूर्व डीन डॉ सहारे और एमएस नायक के ऊपर लगे हैं आरोप

बिलासपुर,14 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में गड़बड़ी के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। इसके लिए संभागीय कमिश्नर की टीम ने यहां का दौरा किया। यह जांच सिम्स के पूर्व डीन डॉ. केके सहारे और तत्कालीन एमएस डॉ. सुजीत नायक पर लगे वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के संदर्भ में की जा रही है। आरोप हैं कि आयुष्मान योजना की राशि और सीसीटीवी कैमरों की खरीदी में गड़बड़ी हुई है।

एमएस से की गई लंबी पूछताछ

जांच दल ने वर्तमान एमएस डॉ. लखन सिंह और अन्य अधिकारियों से लंबी पूछताछ की। इस दौरान आयुष्मान योजना के तहत मिले फंड, सीसीटीवी कैमरों की खरीदी, और अन्य सुविधाओं पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इस मामले की जांच के आदेश दिए जाने के बाद डॉ. सहारे और डॉ. नायक को पद से हटा दिया गया था।

सिम्स में विभिन्न विभागों का किया दौरा

जांच दल ने अस्पताल के मेडिकल वार्ड, केजुअल्टी वार्ड, और अन्य विभागों का निरीक्षण किया। टीम ने मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का भी मूल्यांकन किया, साथ ही सीसीटीवी कैमरों और अन्य खरीदी की गई सामग्रियों का भी आकलन किया।

छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये समर्थन मूल्य पर आज से धान खरीदी पर्व शुरू

» 72 घंटों में किसानों को भुगतान...

रायपुर,14 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में आज से 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर 2739 केंद्रों में धान खरीदी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घोषणा की है कि इस बार किसानों को 72 घंटों के भीतर भुगतान किया जाएगा। प्रदेश में कुल 27 लाख किसान पंजीकृत हैं, जिनमें इस वर्ष 1 लाख 35 हजार नए किसानों का पंजीकरण हुआ है। साथ ही, 36 हजार 263 हेक्टेयर नए रकबे को भी जोड़ा गया है।

केंद्रों पर बायोमेट्रिक सुविधा

धान खरीदी में पारदर्शिता और सहूलियत के लिए सभी केंद्रों में बायोमेट्रिक डिवाइस लगाई गई है, जिससे छोटे और बड़े किसान दोनों समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बालोद जिले के भाठागांव बी केंद्र से इस वर्ष की धान खरीदी का शुभारंभ किया।

धान खरीदी का शेड्यूल और टोकन वितरण

किसानों को 7 नवंबर से टोकन दिए जा रहे हैं। लघु और सीमांत किसान 2 टोकन, जबकि बड़े किसान 3 टोकन ले सकेंगे। धान खरीदी 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खरीदी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, बारदाना, और पेयजल की सुविधा का भी इंतजाम किया गया है।

शिकायत और निवारण के लिए हेल्पलाइन

धान खरीदी केंद्रों पर शिकायतों के समाधान के लिए सरकार ने हेल्पलाइन नंबर 0771-2425463 जारी किया है और मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया है। किसानों को भुगतान की सुविधा के लिए माइक्रो एटीएम की व्यवस्था भी की गई है। सरकार का कहना है कि धान बेचने के 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खाते में भुगतान हो जाएगा।

सीमावर्ती जिलों में विशेष निगरानी

बाहर से आने वाले धान पर रोक के लिए सीमावर्ती जिलों में चेक पोस्ट लगाए गए हैं। जिला प्रशासन ने मंडी एक्ट के तहत अधिकृत व्यापारियों की सूची भी तैयार की है। मार्कफेड राज्य स्तर पर कंट्रोल सेंटर से राइस मिलों और धान खरीदी केंद्रों की रियल टाइम निगरानी करेगा।

विधायक देवेंद्र यादव व ओमप्रकाश बंजारे के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में पेश किया 449 पन्नों का चालान

बलौदाबाजार-भाटापारा,14 नवम्बर 2024(ए)। बलौदा बाजार हिंसा आगजनी मामले में गिरफ्तार भिलाई विधायक देवेंद्र यादव व ओमप्रकाश बंजारे के खिलाफ पुलिस ने आज गुरूवार को सीजीएम अजय खाखा के न्यायालय में 449 पेज का चालान पेश किया है।

संपादकीय

देश की जड़ें कमजोर दुर्भाग्यपूर्ण

भारत में चुनावी रेवड़ी बांटने की फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। इस संस्कृति के कारण देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने पार्टी की महाराष्ट्र शाखा को सलाह दी कि विधानसभा चुनाव में वह ऐसे वादे ना करे, जिन्हें बाद में वित्तीय सीमा के कारण लागू करना कठिन हो। इसके पहले कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान चर्चित हुआ था, जिससे संकेत मिला कि राज्य सरकार अपनी शक्ति योजना पर पुनर्विचार कर रही है। विवाद बढऩे पर शिवकुमार ने सफाई दी कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। 2023 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार ने शक्ति योजना लागू की, जिसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिली है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बयानों को कांग्रेस पर हमला बोलने का औजार बनाया। उनके मुताबिक इससे जाहिर हो गया है कि कांग्रेस की चुनावी गारंटियां फर्जी हैं। उन्होंने कहा- चुनाव-दर- चुनाव कांग्रेस लोगों से ऐसे वादे करती है, जिनके बारे में उसे मालूम है कि वह कभी उन्हें पूरा नहीं कर पाएगी। कांग्रेस अब लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गई है।' इस पर कांग्रेस नेताओं का गुस्सा भड़कना लाजिमी था। सो उन्होंने प्रधानमंत्री की चुनावी गारंटियों का लेखा-जोखा पेश करने की मुहिम छेड़ दी। बहरहाल, खडग़े ने अगर चुनावी वादों के मामले में यथार्थवादी रुख अपनाने की सलाह अपनी पार्टी को दी, तो यह सभी दलों के लिए सार्थक आत्म-निरीक्षण का मौका भी हो सकता था।प्रधानमंत्री चाहते, तो इस बारे में गंभीर राष्ट्रीय चर्चा की पहल कर सकते थे। सभी दलों के बीच संवाद कर राजकोषीय संभाव्यता के दायरे में चुनावी वादे करने पर सहमति बनाने की पहल वे कर सकते थे। मगर सारा मामला तू तू-मैं मैं का बन गया। इस तरह भारत में फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर किसी अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है।

555वीं गुरु नानक जयंती पर आज विशेष

समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी गुरु नानक के उपदेश

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष 15 नवम्बर को यह पर्व पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। 'सिखों के प्रथम गुरु' गुरु नानक जी की जयंती को 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है। इस बार गुरु नानक जी का 555वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पाखण्डों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक देव की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना और बाह्य आडम्बरों से दूर रखना था। गुरु नानक जयंती के अवसर पर उनके जीवन, आदर्शों तथा उनकी दी हुई शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। इस दिन धर्म गुरु और समाज के सम्माननीय लोग गुरु नानक की शिक्षाओं और संदेशों को दोहराते हैं ताकि लोगों के बीच उनके पवित्र विचारों को फिर से ताजा किया जा सके। सितम्बर 2019 में 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नेपाल द्वारा सौ, एक हजार तथा ढ़ाई हजार रुपये के तीन स्मारक सिक्कों का सेट जारी किया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा भी गुरु जी के 550वें प्रकाश पर्व पर 50 रुपये का एक सिक्का जारी किया गया था। कोलकाता टकसाल द्वारा 550वें प्रकाशोत्सव पर 12 नवम्बर 2019 को 44 मिलीमीटर गोलाई वाला 35 ग्राम वजनी 550 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया गया था, जिसमें 50 फीसदी चांदी, 40 फीसदी तांबा और पांच-पांच फीसदी निकल व जिंक का मिश्रण है। सिक्के के एक ओर गुरुद्वारा श्री बेर साहिब का चित्र उकेरा गया था और उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में 'श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व' लिखा गया था।

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े।

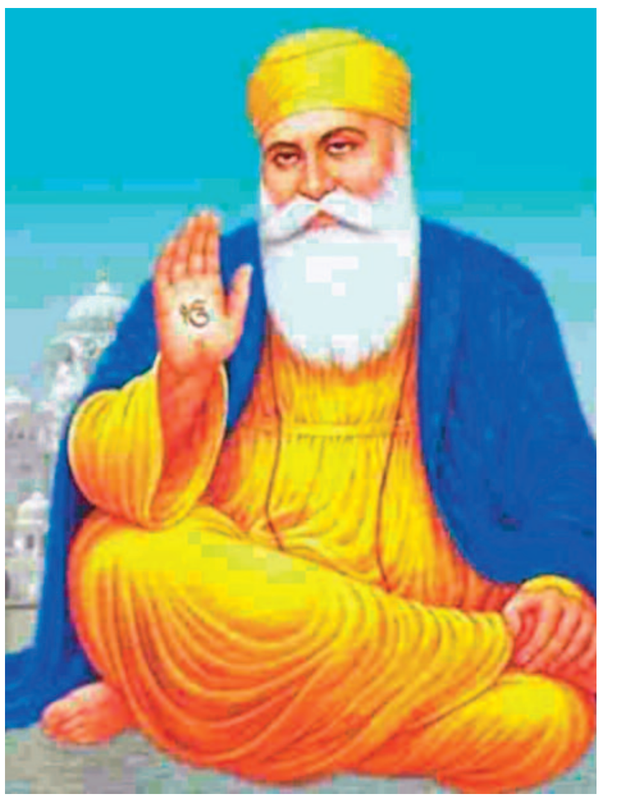

पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। 'एक पिता एकस के हम बारिक' नामक उनका सिद्धांत समाज में ऊंच-नीच और अमीर-गरीब के भेद को मिटाता है।

555वें प्रकाश पर्व के विशेष अवसर पर गुरु नानक से जुड़ी कुछ ऐसी घटनाओं और किस्सों का उल्लेख करना अनिवार्य हो जाता है, जो उनकी महानता और चमत्कारिक शक्तियों को स्पष्ट परिलक्षित करती हैं। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ''खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?''

गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जन्मदिन पर आज विशेष

प्राथमिक शिक्षा में गिजुभाई बधेका के प्रयोग एवं परिणाम

» दृश्य एक, शिक्षा अधिकारी का कार्यालय

अच्छा, यदि तुम्हारा आग्रह ही है तो खुशी से एक साल तक अनुभव करो। प्राथमिक पाठशाला की चौथी कक्षा मैं

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

तुम्हें सौंपता हूं यह उसका पाठ्यक्रम है। ये उसमें चलने वाली कुछ पाठ्य-पुस्तकें हैं, ये शिक्षा विभाग के छुट्टी आदि के कुछ नियम हैं।....देखो, जैसे चाहो वैसे प्रयोग करने की स्वतंत्रता तो तुम्हें है ही, इसके लिए तो तुम आए ही हो। लेकिन यह भी ध्यान में रखना कि बारहवें महीने में परीक्षा सामने आ खड़ी होगी और तुम्हारा काम परीक्षा के परिणामों से मापा जाएगा। दृश्य दो, विद्यालय परिसर में परस्पर बातचीत करते शिक्षक गण।

सच कहता हूं, मुझे तो आप एक अजीब आदमी मालूम पड़ते हैं। मैं मानता हूं कि आपका प्रयोग सफल हुआ है। हमें विश्वास नहीं होता था कि प्राथमिक शाला की पढ़ाई में भी कुछ सुंदर परिवर्तन किये जा सकते हैं। दृश्य तीन, विद्यालय का वार्षिक सम्मेलन।

÷सज्जनो! मैं नहीं जानता कि आज अपने आनंद को किस प्रकार व्यक्त करूं? आप इनकी कक्षा के इन विद्यार्थियों को देखिए। ये कितने व्यवस्थित, स्वस्थ और आनंदपूर्वक हैं। इनकी शक्ति और बुद्धि के विकास का मैं साक्षी हूं। इनके सम्बंध में बच्चों के माता-पिता को भी अपना संतोष व्यक्त करते हुए मैंने बार-बार सुना है।

उक्त तीन कथन तीन अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग समय और स्थितियों में प्राथमिक शिक्षा में नवल प्रयोग करने को उत्सुक-संकल्पित एक प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व के लिए कहे गए हैं जो प्राथमिक शिक्षा को आनंदमय बनाने का पक्षधर है। पहला कथन एक शिक्षा अधिकारी का है जो उस व्यक्ति को आवश्यक निर्देश देते हुए शैक्षिक प्रयोग करने की अनुमति देते हैं। दूसरा कथन व्यक्ति के सहकर्मी शिक्षकों के आपसी वार्तालाप का है और तीसरा कथन शिक्षा विभाग के डायरेक्टर साहब का है जो उस व्यक्ति के विद्यालय में आयोजित बच्चों के वार्षिक सम्मेलन में उनके शैक्षिक प्रयोगों की सफलता की सराहना करते हुए उपस्थित अभिभावकों के सम्मुख कहा गया है। पाठक मन ही मन सोच रहे होंगे कि मैने लेख के आरंभ में ही ये तीन कथन क्यों रखे और यह जिज्ञासा भी पनपी होगी कि वह प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व कौन है जो प्राथमिक शिक्षा की बेहतरी के लिए आनंददायी नवाचारी प्रयोग करने को उत्सुक-आतुर एवं कटिबद्ध है। चलिए मिलाता हूं, वह महनीय व्यक्तित्व है गिरिजाशंकर भगवानदास बधेका, जिसे विश्व गिजुभाई बधेका के नाम से जानता है। शिक्षाविदों की पंक्ति में गिजुभाई ध्रुवतारे की भांति दैदीप्यमान हैं। गिजुभाई शैक्षिक विचारक के रूप में मुझे सर्वाधिक प्रिय हैं क्योंकि वह शिक्षा की जमीनी वास्तविकता से न केवल परिचित हैं अपितु उसे बेहतर करने के सरल सर्वमान्य तौर-तरीके भी प्रस्तुत करते हैं। बदलाव का खुशियों भरा रास्ता

दिखाते हैं।उनके विचार कागजी नहीं हैं बल्कि प्रयोग एवं अनुभव की भट्ठी में तपकर निकले हैं। जीवन संघर्ष की आंच से उत्पन्न ऊष्मा से ऊर्जावान हैं। वह शैक्षिक मुद्दों पर अपनी बात कहने के लिए शब्दों का चमत्कारिक वैचारिक वितान नहीं तानते बल्कि स्वयं करके एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि वह मानते हैं कि बच्चे बड़ों को कार्य करता हुआ देखकर और स्वयं करके सीखते हैं। वास्तव में गिजुभाई उस शिक्षा साधक का नाम है जो शिक्षा में प्रचलित दकियानूसी परम्पराओं, जड़ता, सीख-उपदेशपरक रटन्त शिक्षा प्रणाली एवं संवेदनहीन नीरस उबाऊ विद्यालयीय माहौलसे जूझता है। अपने बाल हितैषी जमीनी प्रयोगों से उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को एक नवीन दिशा देकर बालकेंद्रित, संवेदनशील एवं चेतनापरक बनाने का प्रयत्न किया है। अपने शैक्षिक अनुभवों को लक्ष्मीशंकर नामक काल्पनिक शिक्षक पात्र के द्वारा पुस्तक दिवास्वप्न में अंकित किया है। लेख के आरंभ के तीन कथन दिवास्वप्न से ही लिए गए हैं। आइए! गिजुभाई बधेका के बारे में जानते हैं।

गिजुभाई बधेका का जन्म 15 नवंबर, 1885 को चित्तल सौराष्ट्र(अब गुजरात) में हुआ था। मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करके आपको धनार्जन हेतु काम करना पड़ा। इस हेतु अफ्रीका का भी प्रवास किया। भारत लौटकर कुछ समय वकालत का काम भी किया। इसी दौरान अपने बच्चे के लिए एक ऐसे स्कूल की खोज शुरू की जहां बच्चा आनंदमय परिवेश में निर्भय एवं बाधामुक्त हो ज्ञानार्जन कर सके। पर मनपसंद स्कूल न मिल पाने से निराश हुए और तत्कालीन प्रचलित शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन कर उच्च न्यायालय के वकील गिजुभाई ने वर्ष 1916 में भावनगर के दक्षिणामूर्ति बाल मंदिर में अपने शिक्षा संबंधी प्रयोग आरंभ किए थे। बालदेवो भव उनका मंत्र था। वह विद्यालय का परिवेश बालमैत्रीपूर्ण, संवेदनशील और बच्चों के लिए आनंद में सीखने की जगह के रूप में बनाने के हिमायती थे। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा में भाषा, गणित, इतिहास एवं भूगोल आदि विषयों को पाठ्यक्रम एवं पाठ्य-पुस्तकों में दर्ज सूचनाओं के रूप से मुक्त कर प्रयोग के आंगन की रुचिपूर्ण विषय वस्तु बना दिया। वह पाठ्य प्रश्नोत्तरों को रटने की बजाय परिवेश में उपलब्ध संसाधनों के उचित प्रयोग, अवलोकन, तर्क, तुलना, अनुमान, परस्पर सम्बंध खोजने, समझने और स्वयं की भावाभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं। वह गीत, कविता, कहानी, संगीत, नाटक, नृत्य, खेल, स्थानीय भ्रमण आदि तरीकों को शिक्षण में प्रयोग करते हैं। इन प्रयोगों के परिणाम विश्वास जगाते हैं और बच्चों के सीखने-समझने की यात्रा सुखद एवं आनंददायी बनाते हैं। राष्टीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005, शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 एवं नई शिक्षा नीति-2020 में गिजुभाई के शैक्षिक प्रयोग एवं विद्यालयों के परिवेश को आनंदमय बनाने की पैरवी का प्रभाव स्पष्ट दृष्टव्य है। पुस्तकालय, वाचनालय और विद्यालय एवं विद्यार्थियों की स्वच्छता को वह वरीयता देते दिखते हैं। वह बच्चों की पिटाई या सजा पर सख्त विरोध व्यक्त करते हैं। वह बच्चों को उनके कक्षा-कक्ष की साज-सज्जा की जिम्मेदारी देकर उन्हें दायित्व बोध कराते हैं। 23 जून, 1939 को उनका निधन हुआ।

यह देश का दुर्भाग्य है कि गिजुभाई बधेका जैसे शिक्षाविद् को वह महत्व, सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी और उनके शैक्षिक प्रयोगों को आगे नहीं बढ़ाया गया जिसके वह सर्वथा हकदार थे। गिजुभाई बधेका शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी काम करने वाला वह शिक्षा साधक हैं जो अपने समय से एक सदी आगे का दृश्य देख रहे थे। विभिन्न बाधाओं से टकराते और चुनौतियों से जूझते एक ऐसे आनंदमय विद्यालयीय परिवेश को साकार करने का स्वप्न संजोया, जहां बच्चे निर्भय होकर अपने ज्ञान की सर्जना कर सकें। जहां सूचनाओं के रटने के दबाव से मुक्त हो बच्चे अपने अनुभवों को परस्पर साझा कर नित नवल ज्ञान की साधना-आराधना कर सकें। जहां बच्चों को अभिव्यक्ति के स्वतंत्र मुखर अवसर हों। जहां वे प्रकृति एवं प्राणी से रिश्ता जोड़ सकें। जहां सामूहिकता, सहकार एवं समन्वय का भाव ग्रहण कर सकें। बच्चे सहृदय, संवेदनशील, जिम्मेदार एवं प्रकृतिप्रेमी बनें, ऐसा गिजुभाई चाहते थे। एक शिक्षक एवं अभिभावक के रूप में हम बच्चों के %दिवास्वप्न% की दिशा में सतत बढ़ने में सहायक बनें, यही गिजुभाई बधेका के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता
स्वाभिमान मिशाल रहो

घटती-घटना
प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

आजीवन प्यार की ही सुरत रहो
वात्सल्य और दया की मुरत रहो
आज रब से बस एक दरकार है
स्वाभिमान की नित मिशाल रहो
किरदार कितना ये खूबसूरत है
साक्षात् तू सरस्वती की मूरत है
हर रिश्तों की आप दरकार रहो
स्वाभिमान की नित मिशाल रहो
मिला नहीं था तुम्हे जो खुशीयाँ
हर दुआ कुबूल करेंगे ये वादियाँ
नित हँसते और मुस्कुराते ही रहो
स्वाभिमान की नित मिशाल रहो
जीवन की हर रास्ता हो आसान
गम से कभी आप ना हो परेशान
जीवन भर प्यार बस लुटाते रहो
स्वाभिमान की नित मिशाल रहो
आज रब से भी ये मांगते दुआ है
प्यासे को मिल जाते जैसे कुआँ है
खुशी के सदैव आप हकदार रहो
स्वाभिमान की नित मिशाल रहो

नजर बदलो नजारे बदलेंगे

त्रिभुवन लाल साहू
बोड़सरा जाँजगीर छत्तीसगढ़

हमारे सोचने का तरीका और संगत हमारी व्यक्तित्व व आदतों को तय करते हैं। संगत भावनाओं, विचारों, अभिप्रायों, और अनुभवों का परिणाम होता है। जब वृद्ध का संगत करते है तो गम्भीरता का भाव वही बच्चों के संगत करते है तो हममे भी बचपना का भाव आ जाता है।जाहिर है वृंदावन में राधे राधे तो अयोध्या में जयश्री राम कहेंगें।

बावजूद दिखावे का जिंदगी असली लगने लगा है इसी को आधुनिक होना समझ रहे है। आभासी भ्रम के पीछे अन्धाधुध भाग रहे है शायद उसी में जीवन का आनंद होना समझ रहे है पर आनंद तो अनुभूति है केवल महसूस किया जा सकता है।लोग ब्रांडेड जीन्स महंगे परिधान धारण करने एवं फर्राटेदर अंगेजी बोलने वाले को आधुनिक होना मान बैठे है मेरे ख्याल से इसे खोखलापन कहेंगे। आधुनिक तो हमे विचार से होना है न कि कपड़े से जैसे दक्षिण भारतीय लोग पारम्परिक लिबास में रहते है पर देश दुनिया मे अपने सोच और प्रतिभा का लोहा मनवाते है मेरे ख्याल से आधुनिक महात्मा गांधी को भी बोला जा सकता है जो आजादी के पूर्व छुआछूत जैसे कुरुतियों को मिटाने के लिए पहल किये जो आज सार्थक होते दिख रहा है सोचिए जो पहल आज देख रहे है गांधी जी ने आजादी के पूर्व सोच रखा था कितने एडवांस व आधुनिक थे।

आज तो आधुनिक बनने के उदाहरण बदल गए है प्रीवेडिंग का नया कल्चर को ही ले लो लड़की झील किनारे गीली कपडे में कभी लड़के के बाहों में हाथ डाल एक दूसरे के प्यार में डूबे हुए दिखाये जाते हैं तो कभी सुनसान कभी सार्वजनिक रूप में केवल आडम्बर के लिए अपना निजी पल शेयर करते है पहले लोग मंदिरों में आशीर्वाद लेते थे खैर अब तो प्रीवेडिंग की फ़ोटो देख पिता भी भगवान को शायद बोले हम नही देख पाएंगे उठा ले रे बाबा वही कई ऐसे भी है जिसे बेटे हैंडसम डोले वाले हीरो नजर आते हैं मानो बॉलीवुड में एंट्री मिलनेवाला हो खैर मंदिरों में आशीर्वाद लेने का दौर नही रहा अब तो बस पोस्ट वेडिंग का काम प्रीवेडिंग मे हो रहा है फिर ऐसे में रिश्ता टूट जाये तो लड़की के पास कुछ बचा? असल मे रिश्ते रील में नही रियल लाइफ में बनते है।आपका अपना सोच व नजरिया हो सकता हैं। सच कहू तो अनपढ़ों ने ही संस्कृति को बचाये रखा है।कभी कभी पढ़े लिखे होना, अनपढ़ होना होता है उदाहरण से समझियेगा बारिश के कारण गड्ढे वाली सड़को में कीचड था सिमरन को स्कूल बस का इंतजार थी। बारिश के कारण लेट होने पर पति से कहा बच्चे को स्कूल छोड़ दो। पति ने कहा नया कार हैं कीचड़ हो जाएगा। उधर शांताबाई भी बेटी के स्कूल के लिए रिक्शा का राह देख रही थी। शायद रिक्शावाला भी सड़क की हालत के कारण नहीं आया समय को भांपते हुए शांताबाई ने ज्यादा इंतजार नहीं किया। बच्चे को लेकर कीचड़ से होकर चलती बनी सिमरन अभी भी बच्चों के साथ वही खड़ी है। कुल मिलाकर सिमरन के बच्चे स्कूल नही जा पाये आज का पढ़ाई छूट गया जबकि सिमरन उच्च शिक्षित थी अब बताओ तथाकथित ऐसे सोच ऐसे पढ़े लिखे होने का क्या मतलब जो केवल दिखावा हो व्यवहारिक न हो। जीवन मे शांताबाई की जरूरत है जो पढ़ी लिखी नही है तो क्या पर बच्चों की भविष्य की फिक्र तो करती है।केवल पढे लिखे होना पर्याप्त नही है । सोच व नजीरिया भी सही होना चाहिए तभी नजारे बदलेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा की 149वीं जयंती:एक ऐतिहासिक प्रेरणा

भारत के समृद्ध इतिहास में भगवान बिरसा मुंडा का नाम एक ऐसे वीर योद्धा और समाज-सुधारक के रूप में अंकित है, जिन्होंने अपने जीवन को जनजातीय समाज की उन्नति और उनके अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। देश में हर साल 15 नवम्बर को उनकी जयंती पर भारत में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल उनकी शहादत और योगदान को याद करने का है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, अनवरत संघर्ष और स्वाभिमान का उत्सव भी है।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और उनका संघर्ष

बिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में एक साधारण मुंडा परिवार में हुआ था। उनका जीवन बेहद कठिनाइयों से भरा था और उन्हें बाल्यावस्था से ही आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। सामाजिक असमानता, अत्याचार और विदेशी शासकों द्वारा जनजातियों पर निरंतर हो रहे शोषण ने बिरसा मुंडा के अंतर्मन को विद्रोह की भावना से भर दिया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा लागू जमींदारी प्रथा, धर्मांतरण और जनजातियों के पारम्परिक जीवन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष किया।

उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व

बिरसा मुंडा जी ने उलगुलान नामक जनजातीय विद्रोह का नेतृत्व किया, जो अंग्रेजी शासन और उनके द्वारा किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ था। उलगुलान का अर्थ है महान विद्रोह। इस आंदोलन का उद्देश्य अंग्रेजों द्वारा लागू की गई भूमि नीतियों, जबरन धर्मांतरण और जनजातियों की पारम्परिक जीवनशैली में दखल देने वाले कानूनों के खिलाफ आवाज उठाना था। भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में इस आंदोलन ने पूरे क्षेत्र में जनक्रांति की लहर पैदा कर दी और उन्हें धरती आबा या धरती पिता या धरा पितृ के रूप में सम्मानित किया जाने लगा।

भगवान बिरसा मुंडा का समाज सुधारक के रूप में योगदान

भगवान बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने तत्कालीन जनजातीय समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे अंध-विश्वास, जाति-भेद, नशाखोरी, जातीय संघर्ष और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाई। उन्होंने अपने अनुयायियों को शिक्षा का महत्व समझाया और उन्हें एकता में रहने का संदेश दिया। बिरसा मुंडा ने बिरसाइत नामक एक धार्मिक आंदोलन भी चलाया, जिसमें उन्होंने अपने अनुयायियों को आचार-विचार की शुचिता, सादगी और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस की स्थापना

वर्ष 2021 में केन्द्र सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान करना है। इस दिन देशभर में जनजातीय समाज की सांस्कृतिक धरोहर, उनकी परंपराओं और उनके गौरवशाली इतिहास को समझने और सम्मानित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिवस जनजातीय समाज के संघर्षों और उनके योगदान को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

-डॉ. कुंवर विजय शाह-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता
बच्चे...

घटती-घटना
लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद छत्तीसगढ़

तन के होते निश्चित कच्चे
मन के होते यह सदा सच्चे
सबको लगते बड़े ये प्यारे
भाषा लगते इनके नियारे।।
देख स्वभाव लगते ओ अपने
बुनते रहते रोज नई नई सपने
इनके लिए कौन होते पराए
अनुरूप लगे हो जाते अपने।।
घुमते फिरते गांव गलिन
काया लगते भले मलिन
न पालें कभी चित्त में द्वेष
अवस्था का है यह विशेष।।
इनका नटखट होता चाल
मुस्कुराते रहता यह हर हाल
मीठा लगता बजता गाल
हर कोई बनता इनका ढाल।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

स्कॉर्पियो हादसे में दंपति की भी मौत,मृतकों की संख्या हुई तीन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम कंठी में बुधवार की देर शाम तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी व मोटरसाइकिल सवार समेत पैदल चल रहे 7 लोगों को टक्कर मार दी थी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि स्कूटी सवार दंपति समेत समेत 6 लोग घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान पति-पत्नी की भी मौत हो गई। वहीं घटना के दौरान गुस्से में लोगों ने स्कॉर्पियो को आग के हवाले कर दिया था।

बुधवार की देर शाम करीब 7 बजे काले रंग की स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 15 ईई-7300 का चालक दरिमा, करजी की ओर से काफी तेज रफ्तार में अंबिकापुर की ओर आ रहा था। उसने ग्राम कंठी के पास अंबिकापुर शहर से लौट रहे स्कूटी सवार ग्राम कंठी निवासी 71 वर्षीय विजय वर्मा व उनकी 65 वर्षीय पत्नी मीरा वर्मा को टक्कर मार दी। इसी बीच उसने मेडिकल दुकान जा रहे ग्राम करजी निवासी बाइक सवार युवक रमेश प्रजापति पिता स्व. भरत प्रजापति 35 वर्ष के अलावा पैदल चल रहे 4 अन्य लोगों को भी चपेट में ले लिया था। स्कॉर्पियो की तेज रफ्तार का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि उसने बाइक सवार को घसीटते हुए बाइक समेत सडक़ किनारे घर से टकरा दिया। इससे बाइक सवार रमेश प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची और और स्थानीय लोगों की मदद से स्कूटी सवार घायल पति-पत्नी समेत 6 लोगों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां बुजुर्ग दंपती की हालत नाजुक बताई जा रही थी। इसी बीच गुरुवार की सुबह इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ग्राम कंठी समेत वहां से गुजर रहे काफी संख्या में लोग जुट गए। सडक़ पर जाम की स्थिति बन गई थी। इधर घटना से आक्रोशित लोगों ने घर के पास से स्कॉर्पियो को सडक़ की ओर धक्का देकर लाया और उसमें आग लगा दी। देखते ही देखते स्कॉर्पियो पूरी तरह जल कर खाक हो गई। दरिमा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और आवागमन शुरु कराया। इधर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती 4 घायलों का इलाज जारी है। वहीं मृतकों का पीएम पश्चात पुलिस ने शव उनके परिजन को सौंप दिया है। मामले में दरिमा पुलिस ने स्कार्पियो चालक व सवार के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक रोशन गुप्ता उसका साथी अंश साहू दोनों शराब के नशे में थे। नशे की हालात में जान बुझकर वाहन चलाते ही घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 के तहत कार्रवाई की है।

एक नग देशी कट्टा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने 13 नवंबर को देशी पिस्टल के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। दोनों बाइक से ग्राम सोनपुर में घूम रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मामले की जानकारी देते हुए एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि 13 नवंबर को कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि बाइक सवार दो युवक अपने पास पिस्टल रखकर ग्राम सोनपुर में घूम रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर बाइक सवार दोनों युवकों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो एक नग देशी पिस्टल पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी अभिषेक शर्मा (19) व सचिन प्रतापपुरी (19) निवासी शिव मंदिर के पास मगरढोढ़ा शिकारी रोड़ बौरिपारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई के दौरान उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, प्रधान आरक्षक शत्रुधन सिंह, आरक्षक विवेक राय, शिव राजवाड़े, मंटूलाल गुप्ता शामिल रहे।

टांगी से ग्रामीण पर हमला कर फरार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

टांगी से जानलेवा हमला कर जख्मी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सीतापुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार धनेश्वर राम पैकरा ग्राम पुहपुटरा थाना लखनपुर का रहने वाला है। वह 29 अगस्त को पत्नी के साथ घर में था। तभी गांव के सज्जन उसके घर के दरवाजे को लात मारकर अंदर घुस गया और धनेश्वर को मारने के लिए दौड़ाने लगा। इस दौरान सज्जन ने टांगी चलाकर धनेश्वर पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। वह मामले की रिपोर्ट 5 सितंबर को सीतापुर थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

गर्भपात की दवा खिलाने से युवती की चली गई थी जान,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लिव इन रिलेशनसीप में रह रही युवती जब गर्भवती हो गई तो युवक ने उसे चिकित्सकों के सलाह बगैर गर्भपात की दवा खिला दिया था। इससे उसकी तबियत बिगड़ गई थी। तबियत बिगडऩे पर युवक उसे मायके छोडक़र भाग गया था। इधर युवती के परिजन घटना से अंजाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करा रहे थे। जहां इलाज के दौरान 15 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई थी। पीएम रिपोर्ट व मार्ग जांच के बाद बतौली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बतौली थाना क्षेत्र की एक लडक़ी 1 माह पूर्व अपनी सहेली के साथ अंबिकापुर जाने कहकर घर से निकली थी। जब वह चार दिन बाद घर वापस लैटी तो उसका तबियत ठीक नहीं था। परिजन द्वारा पूछे जाने पर वह कुछ नहीं बताई। परिजन उसे इलाज के लिए बतौली अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान 15 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई थी। मामले में मर्ग कायम किया गया था और मर्ग डायरी जांच के लिए बतौली पुलिस को दी गई थी। जांच में पाया गया कि मांझापारा सुखवासो पारा थाना कापू जिला रायगढ़ निवासी फोकलू उर्फ राज कुमार युवती को पत्नी बनाकर अपने साथ रखा था। गर्भवती होने पर गर्भपात कराने के उद्देश्य से बिना चिकित्सकों के सलाह के बगैर दवा खिला दिया था। इससे उसकी तबियत बिगड़ गई थी। तबियत बिगडऩे पर युवती को उसके घर ले जाकर छोड़ दिया था और भाग गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 314 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सरगुजा संभागायुक्त ने जनपद अंबिकापुर के उप अभियंता को किया निलंबित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभागायुक्त द्वारा जनपद पंचायत अंबिकापुर के उप अभियंता विवेक सिंह राठौड़ को वित्तीय अनियमितता किए जाने पर निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वर्ष 2020-21 में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सरगुजा के द्वारा कराये गये निर्माण कार्य बाउंड्रीवॉल निर्माण सकालो (पशु चिकित्सा विभाग सूकर फार्म) में गुणवत्ताहीन कार्य कराते हुए शासकीय राशि का दुरुपयोग करने के संबंध में अधीक्षण अभियंता आरईएस द्वारा टीम गठित कर विस्तृत तकनीकी रूप से जांच किया गया। जाँच प्रतिवेदन अनुसार राशि रू. 520617 का अधिक मूल्यांकन कर उक्त उप अभियंता, जनपद पंचायत अम्बिकापुर के द्वारा संबंधित ठेकेदार को अतिरिक्त लाभ पहुँचाया गया है जो कि वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। अपने पदीय दायित्वों के प्रति सनिष्ठ नहीं रहते हुए स्वैच्छाचारिता बरते जाने पर छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सरगुजा मण्डल, अम्बिकापुर नियत किया गया है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

तेज रफ्तार पिकअप पलटा,किशोरी की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम उचडीह पुलिया के पास गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार पिकअप पलट गया। दुर्घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। जिसमें गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान एक किशोरी की मौत हो गई। सभी आर्केस्टा देखकर पिकअप से वापस लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार अनीता बाई पिता जगेश्वर राम उम्र 17 वर्ष ग्राम झिकी थाना बगीचा की रहने वाली थी। वह 13 नवंबर की रात को गांव के अन्य लोगों के साथ पिकअप से आर्केस्टा देखने गंगापुर गई थी। 14 नवंबर की सुबह सभी वापस लौट रहे थे। तभी सुबह 6 बजे ग्राम उचडीह के पास तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में अनिता, गालो, बैगिन, प्रभु व अन्य लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए रघुनाथपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने सभी की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान अनीता की मौत हो गई।

आम आदमी पार्टी ने मुंडन कराकर किया विरोध प्रदर्शन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटकुरा में आदिवासियों के ऊपर 20 से 22 लोगों द्वारा प्राणाघात हमला किए जाने व पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाकर आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बहादुर ने अपना मुंडन भी करवाया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे सरगुजा में जगह-जगह आदिवासियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इनके जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है। ग्राम पटकुरा में 6 से 7 महिलाओं को पीटा गया है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस लिए पीड़ित के साथ मिलकर हमलोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ मामूली धारा लगाकर मामले की लिपापोती की जा रही है।

चार निरीक्षकों सहित 10 पुलिसकर्मियों का तबादला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने चार निरीक्षकों सहित 10 पुलिसकर्मियों को ट्रांसफर किया है। थाना मणिपुर प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे को थाना प्रभारी अजाक तथा पुलिस कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक प्रदीप जायसवाल को गांधीनगर थाना से हटाकर थाना सीतापुर, निरीक्षक मोरध्वज देशमुख थाना प्रभारी सीतापुर से हटाकर थाना गांधीनगर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक अशोक शर्मा थाना गांधीनगर से थाना प्रभारी बतौली बनाया गया है। इसी तरह उप निरीक्षक अखिलेश सिंह थाना कोतवाली से थाना प्रभारी मणिपुर, चन्द्र प्रताप तिवारी थाना प्रभारी बतौली से प्रभारी साइबर सेल अंबिकापुर, दिलीप दुबे थाना मणिपुर से थान कोतवाली, सहायक उप निरीक्षक विपिन तिवारी रक्षिक केन्द्र अंबिकापुर से थाना गांधीनगर, धीरज गुप्ता रक्षित केन्द्र से थाना मणिपुर व अमित पांडेय को रक्षित केन्द्र से रीडर शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पदस्थापना की गई है।

धान खरीदी महाअभियान की हुई शुरुआत

- कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने जमगला उपार्जन केंद्र में धान बेचने आए किसानों का पुष्प माला पहनाकर किया स्वागत
- धान बेचने आए किसानों को किसी तरह की समस्या ना हो:कलेक्टर
- इलेक्ट्रॉनिक कांटा की पूजा अर्चना कर शुरू की धान तौलाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

14 नवंबर से पूरे प्रदेश में धान खरीदी महाअभियान की शुरुआत हो चुकी है। सरगुजा जिले में कलेक्टर श्री विलास भोस्कर ने लखनपुर विकासखंड के जमगला धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर धान खरीदी का शुभारंभ किया। उपार्जन केंद्र जमगला में धान बेचने आए किसानों का कलेक्टर श्री भोस्कर एवं पूर्व सांसद श्री कमलभान सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पुष्प माला पहनाकर एवं मीठा खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक कांटा की भी पूजा अर्चना कर धान की तौलाई शुरू की गई। बिनकरा निवासी श्री भानु राजवाड़ अपने पिता के साथ धान उपार्जन केंद्र धान विक्रय हेतु पहुंचे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति धन्यवाद देते हुए भानु ने कहा कि धान खरीदी के पहले दिन वे अपने पिता के साथ 180 बोरी धान लेकर आए हैं। धान खरीदी हेतु बेहतर व्यवस्था की गई है। इसी तरह धान बेचने आए बिनकरा गांव के ही किसान बालचंद राजवाड़े ने कहा कि उनका 180 क्विंटल धान का टोकन कटा है। उन्होंने प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी के निर्णय हेतु मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया और संतुष्टि जताई।

किसान आज सुबह से ही समितियों में धान लेकर बेचने पहुंचे। जिले में 39 आदिम जाति सहकारी समितियों के अंतर्गत 54 धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जानी है। पहले दिन 8 उपार्जन केंद्रों में किसानों ने धान बेचने के लिए टोकन कटवाया। जिले में धान खरीदी का लक्ष्य 351074 एमटी रखा गया है। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी का कार्य होगा जिससे जिले के किसानों में धान खरीदी को लेकर खासा उत्साह का माहौल है। इस दौरान जिला खाद्य अधिकारी श्री चित्रकांत ध्रुव, डीएमओ श्री अरुण विश्वकर्मा एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लेबनान में इजरायल का हमला जारी,बेरूत में तीसरे दिन भी हिज्बुल्लाह ठिकानों को बनाया निशाना

बेरूत, 14 नवम्बर 2024। इजरायली सेना ने गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बेरूत में हिज्बुल्लाह के नियंत्रण वाले इलाकों पर हवाई हमले किए. ये हमले रात भर भारी बमबारी के बाद सुबह-सुबह राजधानी के दक्षिणी उपनगरों में कई जगहों पर किए गए हैं. लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के मुताबिक, हमले जारी रहने के कारण बेरूत में धुएं का गुबार उठ रहा था, जबकि छापे दक्षिणी लेबनान के बिंट जेबिल तक भी पहुंचे, जहां रात भर हवाई हमलों और तोपखाने की गोलाबारी ने इमारतों और आवासीय परिसरों को भारी नुकसान पहुंचाया।

एनएनए ने बताया कि बाजौरीह और जुमायजीमाह शहरों पर हवाई हमलों में पांच लोग मारे गए।

गाजा युद्ध के समानांतर लगभग एक साल तक चले सीमा पार संघर्ष के बाद सितंबर के अंत में इजरायल ने ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ एक बड़ा हवाई और जमीनी हमला किया।

हालांकि लेबनानी अधिकारियों ने अभी तक बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर गुरुवार के हमलों में हताहतों की पुष्टि नहीं की है, जिन्हें बड़े पैमाने पर खाली करा लिया गया है. लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 अक्टूबर से अब तक पूरे लेबनान में इजरायली हमलों में कम से कम 3,365 लोग मारे गए हैं और 14,344 लोग घायल हुए हैं। लेबनान के संसद अध्यक्ष नबीह बेरी के राजनीतिक सहयोगी अली हसन खलील ने बुधवार को कहा कि लेबनानी वार्ताकारों ने युद्ध विराम के लिए रूपरेखा पर अमेरिकी दूत अमोस होचस्टीन के साथ प्रारंभिक समझ हासिल कर ली है। बुधवार शाम को ब्रॉडकास्टर अलजज़ीरा के साथ एक इंटरव्यू में खलील ने कहा कि यह प्रस्ताव होचस्टीन के माध्यम से इजरायली पक्ष को अवगत कराया गया था, हालांकि लेबनान को अभी तक इजरायल से कोई प्रतिक्रिया या संशोधन का सुझाव नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि कोई भी संभावित सौदा 2006 में अपनाए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 पर दृढ़ता से आधारित होना चाहिए, ताकि लेबनानी सेना को इजरायल के साथ अपने दक्षिणी सीमा क्षेत्र को लेबनानी राज्य के अलावा अन्य हथियारों या सशस्त्र कर्मियों से मुक्त रखने में मदद मिल सके. लेबनान को युद्ध विराम अनुपालन की निगरानी में अमेरिका या फ्रांस की भागीदारी पर कोई आपत्ति नहीं है।

बच्चों को बचाने के लिए शेरनी से भिड़ गई मां तेंदुआ

नई दिल्ली, 14 नवम्बर 2024। अपने बच्चों को बचाने के लिए मां क्या-क्या नहीं करती। फिर चाहे वह कोई जानवर की ही मां क्यों न हो। इसी तरह तंजानिया के सेरेनगेटी नेशनल पार्क में एक मादा तेंदुए अपने शावकों को बचाने के लिए एक शेरनी से लड़ पड़ी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

इस वीडियो को कैरोल और बॉब नामक एक कपल ने मिलकर रिकॉर्ड किया और बाद में लेटेस्टसाइटिंग्स अकाउंट से यूट्यूब पर पोस्ट किया गया।

इस वीडियो में बड़ी-बड़ी चट्टानों के पीछे मादा तेंदुआ अपने बच्चों के साथ है। तभी उसे वहां पास में एक शेरनी आती हुई दिखाई देती है, जिसके बाद मादा तेंदुआ अलर्ट हो जाती है। इसके बाद अपने बच्चों की जान बचाने के लिए मादा तेंदुआ शेरनी से लड़ पाती है। दोनों के बीच में काफी देर तक लड़ाई होती है। इस दौरान मादा तेंदुआ पर शेरनी कई बार हमला भी करती है, लेकिन उसे भगाने के लिए वह लड़ती रहती है। बाद में तेंदुआ वहां से चली गई और शेरनी भी उसके पीछे पीछे चली गई।

इस वायरल वीडियो को देखकर साफ लगता है कि एक मां कैसे अपने नन्हे-मुन्नों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट किया है। एक यूजर ने कहा कि चाहे आप कोई भी हो, एक बात तो सच होती है। मां के प्यार जैसा कुछ नहीं होता। एक और यूजर ने लिखा कि यह एक बहादुर निस्वार्थ मां तेंदुआ है। यह सुनकर खुशी हुई कि वह और उसके शावक सुरक्षित बच गए। बता दें कि इस वीडियो को 24 अक्टूबर, 2024 को पोस्ट किया गया था और तब से इसे 20 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है।

तुर्की-इजरायल के बीच तनाव चरम पर, एर्दोगन ने किए सभी संबंध खत्म

नई दिल्ली, 14 नवम्बर 2024। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने बुधवार को घोषणा की कि तुर्की ने इजरायल के साथ सभी संबंध तोड़ दिए हैं. यह बयान उन्होंने सऊदी अरब और अजरबैजान के दौरे के बाद अपने विमान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया. एर्दोगन ने कहा, तुर्की गणराज्य की सरकार, मेरे नेतृत्व में, इजरायल के साथ किसी भी तरह का संबंध जारी नहीं रखेगी और हम अपने इस रुख पर दृढ़ रहेंगे।

तुर्की ने बुला लिया था अपना राजदूत

हालांकि तुर्की ने मई में इजरायल पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब भी तुर्की के राजनयिक मिशन तेल अवीव में खुले और संचालित हैं. पिछले साल तुर्की ने अपने राजदूत को भी वापस बुला लिया था, जबकि इजरायल ने सुरक्षा कारणों से अंकारा में अपना दूतावास खाली कर दिया।

एर्दोगन ने यह भी कहा कि तुर्की इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गाजा में किए गए कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए हर संभव कदम उठाएगा. तुर्की ने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में इजरायल के खिलाफ चल रहे जनसंहार मामले में हस्तक्षेप किया है और इजरायल पर हथियार प्रतिबंध की भी वकालत की है।

नवंबर में तुर्की ने संयुक्त राष्ट्र में इजरायल को हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोकने के लिए एक पहल शुरू की, जिसमें 52 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने समर्थन दिया है. एर्दोगन ने कहा कि उन्होंने इस पहल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और महासचिव के समक्ष प्रस्तुत किया है, और रियाद में आयोजित एक शिखर सम्मेलन में अरब लीग के सभी सदस्यों को इस पत्र पर हस्ताक्षर करने का आमंत्रण भी दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप वो करने की सोच रहे,जो कोई US राष्ट्रपति नहीं कर सका,रूस और चीन में खिंच जाएंगी तलवारें

वॉशिंगटन, 14 नवम्बर 2024। अमेरिकी चुनाव जीतकर दूसरी बार राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है. इस बार उनका निशाना है रूस और चीन के बीच की बढ़ती नजदीकियां. ट्रंप का मानना है कि अगर अमेरिका रूस और चीन के बीच दरार डालने में कामयाब हो जाता है, तो इससे अमेरिका को वैश्विक राजनीति में फायदा होगा।

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन कॉल की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, क्रेमलिन ने इसे तुरंत खारिज कर दिया. इस बातचीत ने उनके बीच रिश्ते की दिशा और आवाज को लेकर एक नई झलक दी है। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, ट्रंप ने 7 नवंबर को पुतिन से बात की और उन्हें यूक्रेन में किसी भी तरह के हमले में इजाफा करने से बचने की चेतावनी दी. साथ ही, उन्होंने पुतिन को यह भी याद दिलाया कि यूरोप में वॉशिंगटन की बड़ी सैन्य मौजूदगी है।

चाहे यह घटना हुई हो या नहीं, अगर दोनों के बीच कोई भी-भले ही अप्रत्यक्ष-मेसेज का आना-जाना हुआ हो, तो इसे अमेरिका के पश्चिमी सहयोगियों और रूस के पूर्वी प्रमुख साझेदार चीन के शी जिनपिंग द्वारा गंभीरता से लिया जाना चाहिए. पिछले कुछ महीनों में ऐसे संदेशों का काफी आदान-प्रदान हुआ है।

पुतिन ने कथित फोन कॉल के दिन काला सागर के सोची रिसॉर्ट में वाल्दाई डिस्कशन क्लब थिंक टैंक की वार्षिक बैठक में एक लंबा भाषण दिया था. आश्चर्य की बात नहीं है कि उनका भाषण-और बाद में दर्शकों के सवालों के जवाब-पश्चिम विरोधी थे और उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि एक नई विश्व व्यवस्था अब वास्तविक निर्माण के चरण में है।

लेकिन साथ ही, पुतिन ने ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें साहसी व्यक्ति बताया और कहा कि वह ट्रंप के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करेंगे जो अमेरिका-रूस संबंधों को बहाल करने और यूक्रेनी संकट को समाप्त करने के लिए हो. इसके बाद उन्होंने रूस और चीन के बीच संबंधों पर काफी देर बात की. यहां उनका ध्यान नए अमेरिकी राष्ट्रपति से ज्यादा अपने पुराने दोस्त, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर था.

इसका कारण ट्रंप के एक संदेश में छिपा है जो उन्होंने पुतिन और शी को दिया था. ट्रंप ने 31 अक्टूबर को एक कैम्पेन ईवेंट में टकर कार्लसन से कहा था कि वह रूस और चीन को अलग करने के लिए काम करेंगे. ट्रंप ने इशारा किया कि दोनों स्वाभाविक दुश्मन हैं क्योंकि रूस के पास विशाल क्षेत्र है जिसे चीन अपनी जनसंख्या के लिए चाहता है.

रूस और चीन के बीच साइबेरिया में लंबी भूमि सीमा पर क्षेत्रीय विवाद का इतिहास रहा है। यह 1960 के दशक में चीन-सोवियत विभाजन का हिस्सा था, जो 1970 के दशक में तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के तहत चीन के साथ अमेरिका के संबंधों की शुरुआत से पहले हुआ था। निक्सन के विपरीत, ट्रंप ने बीजिंग की बजाय मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को फिर से स्थापित करने की कोशिश की। आज रूस और चीन के बीच ऐसे विभाजन की कल्पना करना मुश्किल है,लेकिन ट्रंप की रूस और चीन के बीच असहमति का फायदा उठाने की इच्छा को पूरी तरह से अवास्तविक भी नहीं माना जा सकता।

सामने से देखने पर, पुतिन और शी जिनपिंग एक-दूसरे के काफी करीब नजर आते हैं लेकिन रूस और चीन के संबंधों की गहराई में जाने पर पता चलता है कि यह मुख्य रूप से उनके वर्तमान नेताओं के बीच का संबंध है और इसमें अन्य गठबंधनों की तरह गहराई की कमी है। रूस में चीन के प्रति जनता और नीति निर्माताओं दोनों के बीच काफी नाराजगी है। रूसियों को मध्य एशिया में चीन की बढ़ती भूमिका को लेकर चिंता है और वे लंबे समय से विवादित सीमाओं पर संभावित झगड़ों को लेकर भी परेशान हैं। कई लोग इस बात से भी नाराज हैं कि अब मॉस्को बीजिंग का जूनियर पार्टनर बन गया है।

निलंबन के बाद हुई बहाली,फिर से सरगुजा में ही पदस्थ हुए हेमंत उपाध्याय

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए हेमंत उपाध्याय को प्रभारी संयुक्त संचालक, सरगुजा नियुक्त किया है। वहीं सरगुजा में पदस्थ प्रभारी संयुक्त संचालक संजय गुप्ता को लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर भेज दिया गया है।

बता दें हेमंत उपाध्याय को निलंबित व प्रभारी संभागीय संयुक्त संचालक (शिक्षा) अंबिकापुर, सरगुजा को निलंबन से बहाल करते हुए, प्रतिनियुक्ति पर, उप संचालक, एससीईआरटी रायपुर में पदस्थ किया गया था। लेकिन राज्य शासन द्वारा एक नए आदेश के बाद हेमंत उपाध्याय (मूल पद उप संचालक) का एससीईआरटी रायपुर में किए गए स्थानांतरण आदेश को निरस्त करते हुए, प्रभारी संयुक्त संचालक, सरगुजा में पदस्थ किया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
: मंत्रालय :
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर
//आदेश//

नवा रायपुर, दिनांक 13/11/2024

क्रमांक एफ 02-40/2024/20-तीन : राज्य शासन एतद् द्वारा श्री संजय गुप्ता, (मूल पद, उप संचालक) प्रभारी संयुक्त संचालक, सरगुजा को प्रशासनिक आधार पर, स्थानांतरित करते हुए, उप संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर में, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ करता है।

(समन्वय में अनुमोदित)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(आर.पी.वर्मा)
अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

पृ0 क्रमांक एफ 02-40/2024/20-तीन नवा रायपुर, दिनांक 13/11/2024
प्रतिलिपि :-

1. सचिव, छ.ग. शासन, मान. मुख्यमंत्री जी, मंत्रालय नवा रायपुर, अटल नगर,
2. मुख्य सचिव के अवर सचिव, छ.ग. शासन, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर,
3. संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर,
4. संभागीय संयुक्त संचालक सरगुजा (छ0ग0)
5. जिला कलेक्टर, सरगुजा (छ0ग0)
6. जिला कोषालय अधिकारी, अंबिकापुर सरगुजा (छ0ग0)
7. श्री संजय गुप्ता, (मूल पद, उप संचालक) प्रभारी संयुक्त संचालक, सरगुजा,

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

8. गार्ड फाईल।

अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
: मंत्रालय :
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर
//आदेश//

नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 13/11/2024

क्रमांक एफ 2-40/2024/20-तीन : विभागीय आदेश क्र. 1-26/2023/20-दो, दिनांक 11.03.2024 द्वारा श्री हेमंत उपाध्याय, (मूल पद उप संचालक) निलंबित व प्रभारी संभागीय संयुक्त संचालक (शिक्षा) अंबिकापुर, सरगुजा को निलंबन से बहाल करते हुए, प्रतिनियुक्ति पर, उप संचालक, एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर में पदस्थ किया गया है।

2/ राज्य शासन एतद्द्वारा श्री हेमंत उपाध्याय (मूल पद उप संचालक) का एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर में किए गए स्थानांतरण आदेश को निरस्त करते हुए, अस्थायी रूप से प्रभारी संयुक्त संचालक, सरगुजा में यथावत् आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ करता है।

(समन्वय में अनुमोदित)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(आर.पी.वर्मा)
अवर सचिव
छ. ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग

पृ0 एफ 2-40/2024/20-तीन नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 13/11/2024
प्रतिलिपि :-

1. सचिव, छ.ग. शासन, मान. मुख्यमंत्री जी, मंत्रालय नवा रायपुर, अटल नगर,
2. अवर सचिव, छ.ग. शासन, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, नवा रायपुर,
3. संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर,
4. संचालक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, छ0ग0 रायपुर,
5. जिला कलेक्टर, सरगुजा (छ0ग0)
6. संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग सरगुजा
7. जिला शिक्षा अधिकारी, जिला सरगुजा
8. जिला कोषालय अधिकारी, जिला सरगुजा (छ0ग0)
9. श्री हेमंत उपाध्याय, (मूल पद उप संचालक), प्रभारी संयुक्त संचालक,सरगुजा छ.ग.

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

10. गार्ड फाईल

अवर सचिव
छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग

आज जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में

» **महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में होंगी शामिल**

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 14 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)। 15 नवम्बर 2024 को पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार सरगुजा जिले में पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रातः 10.30 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जहां महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के विधायक श्री राजेश अग्रवाल, विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के विधायक श्री प्रबोध मिंज, विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर डॉ.अजय तिर्की एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह शामिल होंगे। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभागीय स्टालों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। इसके साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के हितग्राहियों को सामग्री वितरण कर शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर ने आदिवासी बहुल सरगुजा जिले के जनता को जनजातीय गौरव दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं, साथ ही समस्त जिलेवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने आमंत्रित किया है।

लईका घर महोत्सव का आयोजन,एक वर्ष की सफलता पर बच्चों और परिजनों ने की सहभागिता

बाल दिवस पर रामगढ़ में भव्य कार्यक्रम,सैकड़ों लाभान्वित परिवारों के बच्चों ने लिया हिस्सा

- संवाददाता -

उदयपुर, सरगुजा, 14 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड में संचालित लईका घर (Creche Centre) ने एक वर्ष की सफलता का जश्न मनाने के लिए भव्य महोत्सव का आयोजन किया। चौपाल (चौपाल ग्रामीण विकास प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान) और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 50 लईका घर चलाए जा रहे हैं, और आने वाले समय में 50 और केंद्र स्थापित करने की योजना है। लईका घर पहल का उद्देश्य दूरदराज के गांवों में 7 महीने से 3 वर्ष के बच्चों को कुपोषण से बचाना और उनके संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल से उन समुदायों के बच्चों को लाभ मिल रहा है, जहां कुपोषण की समस्या गंभीर है। इन केंद्रों में बच्चों के उचित पोषण, स्वास्थ्य और आरंभिक बाल्यावस्था विकास कार्यक्रमों की सुविधा दी जाती है।

लईका घर में बच्चों को सप्ताह में छह दिन डे केयर सेवाएं दी जाती हैं, जहां सुबह का नाश्ता, दोपहर का खिचड़ी और अंडा, तथा शाम के भोजन में हलवा प्रदान किया जाता है। यह सभी प्रक्रिया समुदाय की देखरेख में होती है, ताकि अभिभावक अपने बच्चों की देखभाल को लेकर निश्चिंत रहें।महोत्सव के इस कार्यक्रम में लाभान्वित बच्चों के परिजन, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के पदाधिकारी, चौपाल के गंगा राम पैकरा और कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

क्या पत्रकारों को खबर लिखने व आंदोलन करने का भी अधिकार नहीं रहा?

पत्रकारों पर बेवजह एफआईआर हो रहा दर्ज...विरोध करना भी पत्रकारों के लिए इस सरकार में मुसीबत?

क्या वर्तमान सरकार पुलिस को पत्रकारों के विरुद्ध गुंडा बनाकर पेश कर रही?

पत्रकारों के द्वारा पुलिस एवं प्रशासन को जानकारी देने के बाद भी शांतिपूर्ण धरना आंदोलन को पुलिस ने कुचलने का प्रयास किया

दुर्ग पुलिस ने पत्रकारों के धरना स्थल के टेंट, बैनर,पोस्टर को हटाया ही नहीं पत्रकारों के लिए बनाये गए खाना को भी फिकवाया

पत्रकार राकेश तम्बोली को न्याय मिले एवं पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

पत्रकारों ने सड़क किनारे बैठ कर आंदोलन पूर्ण किया

कलेक्टर को मिलकर दिया ज्ञापन

दमनकारी दोषी पुलिस अधिकारी पर कार्यवाही करने,पत्रकार पर दर्ज झूठा एफ आई आर रद्द करने और महिलाओं की इज्जत से खुलेआम खेलने वाले, महिलाओं की निजता का उल्लंघन करने वाले आरोग्यम हॉस्पिटल पर कार्यवाही करने का ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश से आये छ.ग. पत्रकार एकता महासंघ के वरिष्ठ पत्रकार अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राकेश प्रताप सिँह परिहार बिलासपुर से, महफूज खान मुंबई से,जितेंद्र जयसवाल रायपुर से, रजा खान रायगढ़ से,अनंत भगत, मो निज़ाम अंसारी गोविंद शर्मा, विक्रांत मालकन बलराम पुर से राकेश जसपाल, निरंजन गुप्ता नंदिनी अहिवारा से ,दर्शन मिरि अभनपुर से, प्रेम सोनी, संगीता साहू, माही सार्वा, कृष्णा लाल रायपुर से, राकेश तम्बोली, गोपाल निर्मलकर, धर्मेंद्र गुप्ता, मनीष शर्मा,जीवनी खंडे,मोहन लाल गुप्ता, सुरेश गुप्ता,रोशन लाल सिन्हा, विजय देवांगन, सुकांता कुमार खाड़ा, शिवेंद्र शिंदे, तरुण पटेल,नीलेश साहू मिश्री लाल प्रजापति, गोवर्धन ताम्रकार,नवीन राजपूत, राजेश ताती सहित कई पत्रकार मौजूद थे।

-संवाददाता-
दुर्ग,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पत्रकारों के लिए खबर लिखना वर्तमान सरकार में किसी मुसीबत से काम नहीं है और बेवजह खबर लिखने पर पत्रकारों पर मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, जिसका विरोध करना भी अब पत्रकारों के लिए संवैधानिक नहीं रह गया? क्या लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अब अपनी जिम्मेदारी कभी नहीं निभा पाएगा? यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहा क्योंकि उसके बीच में कई अड़चनें हैं परेशानियां है और वह परेशानियां कोई और नहीं बेलगाम सत्ता है वह उसके तंत्र है जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को उसकी जिम्मेदारी निभाने से रोक रहे हैं, क्योंकि उनकी जिम्मेदारी निभाना ही सत्ता के लिए घातक है ऐसा वह सोचते हैं, और इनका ऐसा सोचना के पीछे का सिर्फ कारण है इतना है कि उनकी कमियां लोकतंत्र का चौथा यानेकी पत्रकार ना दिखाएं, क्योंकि उनकी कमियां दिखेगी तो इनकी सत्ता डगमगा जाएगी। पहले तो कमियां दिखाने पर एफआईआ होते थे अब तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते है, अब तो पत्रकारों को अपने हक व आंदोलन के लिए भी अब रोका जा रहा है ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या वर्तमान सरकार में पत्रकारिता करना हुआ पत्रकारों के लिए मुश्किल? अपने अधिकार के लिए आंदोलन करने का भी अब अधिकार नहीं रहा? क्या सारे अधिकार सत्ता अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से छीन रही है?

पत्रकार को न्याय दिलाने आज दुर्ग में पत्रकारो ने धरना दिया मामला क्या था

पुलिस द्वारा की गई आरोग्यम हॉस्पिटल के शिकायत पर बिना जाँच किये वरिष्ठ पत्रकार पर एफआईआर का। यह इसलिए किया गया था की पांच माह पहले दुर्ग के वरिष्ठ पत्रकार द्वारा दुर्ग के सबसे बड़े आरोग्यम हॉस्पिटल में महिलाओं की निज़ता के उल्लंघन का मामला 3 जून को जिसमे एक नहीं बल्कि 2 बार दुर्ग की कलेक्टर महोदया को इस हॉस्पिटल पर कार्यवाही करने के लिए शिकायत किया गया वही इस शिकायत पर तात्कालिक नर्सिंग होम नोडल अधिकारी ने जाँच किया तो पायाकि सही हैं यह शिकायत। लेकिन कार्यवाही इस हॉस्पिटल पर ना कर मुख्य जिला एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनोज दानी ने उसे और भ्रष्टाचार करने पर जोर दिया। बहरहाल इस हॉस्पिटल द्वारा शिकायतकर्ता पत्रकार पर झूठे एफ आई आर करवा दिया गया। बिना जाँच इस एफ आई आर पर पूरा संयुक्त पत्रकार संगठन एक हो कर आज 11 नवम्बर को पुलिस के खिलाफ झूठी एफ आई आर रद्द करने और जिला प्रशासन को आरोग्यम हॉस्पिटल पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने का शांतिपूर्ण ढंग से धरना के बाद कलेक्टर को ज्ञापन देने का था लेकिन जिस तरह से दुर्ग पुलिस ने पत्रकारों के साथ अत्याचार किया उसे पुलिस विभाग दागदार हो चूका है। प्रशासन को जानकारी देने के बाद भी जो हीटलर की तरह कार्यवाही किया उससे पुलिस की छवि ख़राब है गई है।

सरकार आखिर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से चाहती क्या है?

सरकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से आखिर चाहती क्या है यह सवाल इस समय काफी बड़ा सवाल है? वह इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ जो अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ नहीं निभा पा रहा, वह कई तरह से अपने जिम्मेदारियां के बीच सरकार की विघ्न बाधाओं का सामना कर रहा है, सरकार अपनी कमियों को दूर नहीं कर सकती और उनकी कमियां ना छापे इसलिए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की जड़े उखाड़ने का प्रयास कर रहे हैं, यह कोई एक सरकार की बात नहीं है सभी सरकारों की स्थिति यही है, पत्रकारिता करना इस समय किसी अपराध से काम नहीं होता जा रहा,बड़ी मुश्किल बढ़ गई है पत्रकारों की,पत्रकारिता की बात की जाए तो पत्रकारिता सिर्फ वही कर सकते हैं जो सरकार प्रशासन शासन व पहुंच वाले व्यक्तियों की कमियों को भी उपलब्धि बता के प्रकाशित करें, तब तो ठीक है, यही कमियों को कमियां ही दिखाकर प्रकाशित करना अपने ऊपर अत्याचार के लिए तैयार हो जाए। यदि पत्रकार अपने पत्रकारती के बीच सत्ता शासन व प्रशासन सहित पहुंच वाले व्यक्तियों को कमी दिखता है तो उसे कई तरह से मुसीबत का सामना करना पड़ता है, जब वह उन मुसीबत के लिए सरकार से गुहार लगाता है अपने अधिकारों की बात करता है तो सरकार भी उसके आंदोलन को कुचलना का प्रयास करती है, जो हाल ही में देखा गया इतने बड़े मामले में खबर छपने के बाद भी सरकार ने पत्रकारों के आंदोलन को कुचलना वालों के विरुद्ध कोई एक्शन नहीं लिया ऐसा लगा कि सरकार की ही मंशा यही थी?

यह है पूरा मामला

छत्तीसगढ़ का सबसे खूबसूरत शहर दुर्ग पुलिस की कायराना हरकत से पुरे छत्तीसगढ़ में निंदा का कारण बन रहा है, पुलिस और प्रशासन को सुचना देने के बाद भी पत्रकारों के शांति पूर्ण आंदोलन को कुचलने का प्रयास पुलिस के द्वारा किया पत्रकारों के धरना स्थल में लगे टेंट, बैनर पोस्टर ही नहीं उखाड़ा गया,पत्रकारों के लिए बन रहे भोजन को पुलिस ने फेकने का काम भी किया ये सब सिटी कोतवाली थाना प्रभारी के द्वारा बल के साथ कराया गया पत्रकारों के पूछने पर ऊपर से आदेश है किसका आदेश हुआ ये पत्रकारों को नहीं बताया गया लेकिन पत्रकारों के धरना को कुचलने का पूरा प्रयास किया,पत्रकारों ने जमीन में बैठ कर अपने आंदोलन को पूर्ण करते हुए, दुर्ग कलेक्टर को पत्रकार राकेश तम्बोली को न्याय और पुलिस की इस कायराना हरकत के लिए माननीय राज्य पाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के नाम ज्ञापन दिया जिसमें दुर्ग पुलिस अधीक्षक और संबधित थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की। पर अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई ऐसा लग रहा की जिसे गुहार लगा रहे है वही इसके जिम्मेदार है?

ग्रामीण बैंक में हुई चोरी,पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सोशल मीडिया में आया पोस्ट

कहा जैसे काल्पनिक सीएम दीदी रेणुका सिंह क्षेत्र से गायब है वैसे ही पुलिस भी रात्रि गश्त से गायब है

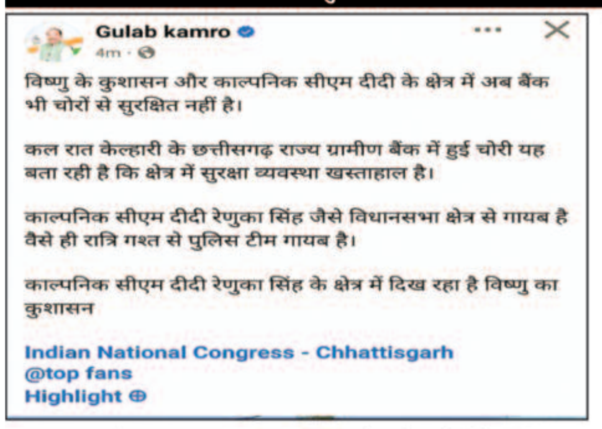

Gulab kamro
4m

विष्णु के कुशासन और काल्पनिक सीएम दीदी के क्षेत्र में अब बैंक भी चोरों से सुरक्षित नहीं है।

कल रात केल्हारी के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में हुई चोरी यह बता रही है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था खस्ताहाल है।

काल्पनिक सीएम दीदी रेणुका सिंह जैसे विधानसभा क्षेत्र से गायब है वैसे ही रात्रि गश्त से पुलिस टीम गायब है।

काल्पनिक सीएम दीदी रेणुका सिंह के क्षेत्र में दिख रहा है विष्णु का कुशासन

Indian National Congress - Chhattisgarh
@top fans
Highlight

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे है। दिनों दिन बढ़ती चोरी की घटनाओं के बाद भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, केल्हारी में चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। राहत की बात यह है कि चोर लाकर्स तक नही पहुंच पाए वरना बैंक में रखे नोटो की गड्डिया भी चोर चोरी कर ले जाते। भले ही चोरों को नोट न मिला हो लेकिन बैंक से चोरों ने 1 नग पासबुक प्रिंटर, 1 नग राउटर, 7 नग मॉनिटर सहित सामान चुरा लिए। नए बस स्टैंड केल्हारी के पास यह बैंक संचलित है। चोरों ने बैंक की खिड़की को राड से तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बैंक के सीसीटीवी फुटेज में एक चोर कैद भी हुआ। केल्हारी पुलिस अब बैंक प्रबंधन की शिकायत के बाद पूरे मामले की जांच कर रही है।

पूर्व विधायक ने कसा तंज

केल्हारी के ग्रामीण बैंक में हुई चोरी की घटना के बाद भरतपुर सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया में लिखा है कि विष्णु के कुशासन और काल्पनिक सीएम दीदी के क्षेत्र में अब बैंक भी चोरों से सुरक्षित नहीं है। कल रात केल्हारी के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में हुई चोरी यह बता रही है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था खस्ताहाल है। काल्पनिक सीएम दीदी रेणुका सिंह जैसे विधानसभा क्षेत्र से गायब है वैसे ही रात्रि गश्त से पुलिस टीम गायब है। काल्पनिक सीएम दीदी रेणुका सिंह के क्षेत्र में दिख रहा है विष्णु का कुशासन।

जिले में विधिक साक्षरता शिविर एवं बाल मेला का हुआ आयोजन

-बागी कलम-
अनूपपुर,14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष पीसी गुप्ता के निर्देशानुसार गुरूवार 14 नवंबर को शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में बाल दिवस के अवसर पर बाल अधिकार, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, बाल विवाह, दहेज निषेध इत्यादि विषयों पर जागरूकता हेतु विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया साथ ही बच्चों के बीच बाल-मेला का आयोजन भी किया गया। शिविर में विद्यालय के प्राचार्य एस.के. परस्ते, विद्यालय के अन्य शिक्षकगण, विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित थे। शिविर में जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मोनिका आध्या ने बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को बाल श्रम अपराध, पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया। जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह ने अपने संबोधन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं, मौलिक अधिकार/कर्तव्य, बाल विवाह एवं दहेज निषेध विषयों पर उपस्थित बच्चों को जानकारी दी। इस दौरान विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर चित्रकला, निबंध एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। शिविर सम्पन्न होने के पश्चात जिला न्यायाधीश श्रीमती मोनिका आध्या द्वारा बाल-मेले का भ्रमण किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा छोटी-छोटी दुकानों का आयोजन किया गया था जहां से जिला न्यायाधीश द्वारा कुछ सामग्रियां भी खरीदी गई।

न्यायालय अनुविभागीय(रा)/सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्रं /अ-2/2023-24

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जगदीश राम पण्डो पिता कृष्णा राम पण्डो,जाति पण्डो,निवासी ग्राम गोपालपुर तहसील लटोरी,जिला सूरजपुर(छ.ग.)द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोपालपुर, प.ह.न. 22 रा.नि.मं. पिलखा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 364/2 रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 18.11.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 08/11/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

क्या प्रशासन का रुख कबाड़ी व हत्यारे के लिए नरम पड़ रहा है?

प्रशासनिक कार्यवाही के बाद फिर से परिवार अपने आप को संरक्षित करने में लगा...
फिर से कबाड़ी का परिवार कार्यवाही वाली जगह पर घेरा कर निर्माण की फिराक में...

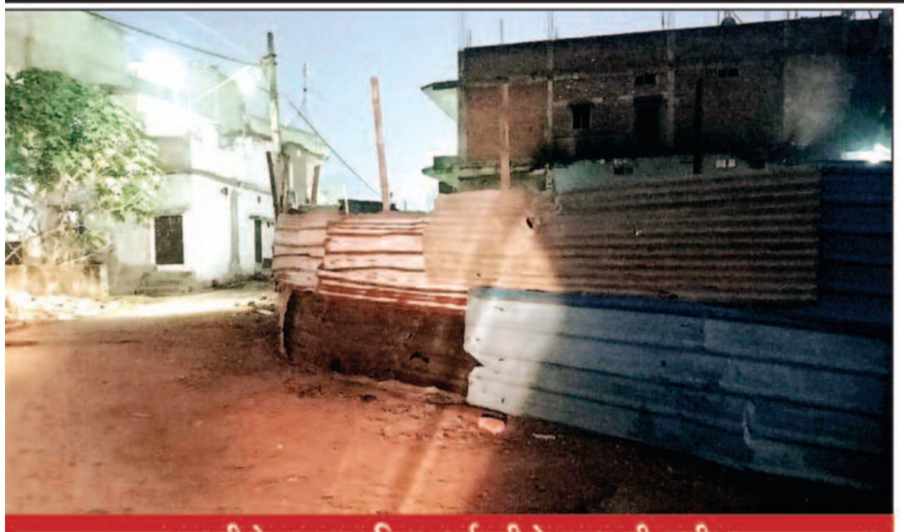

कबाड़ी के पर प्रशाशनिक कार्यवाही के समय की तस्वीर

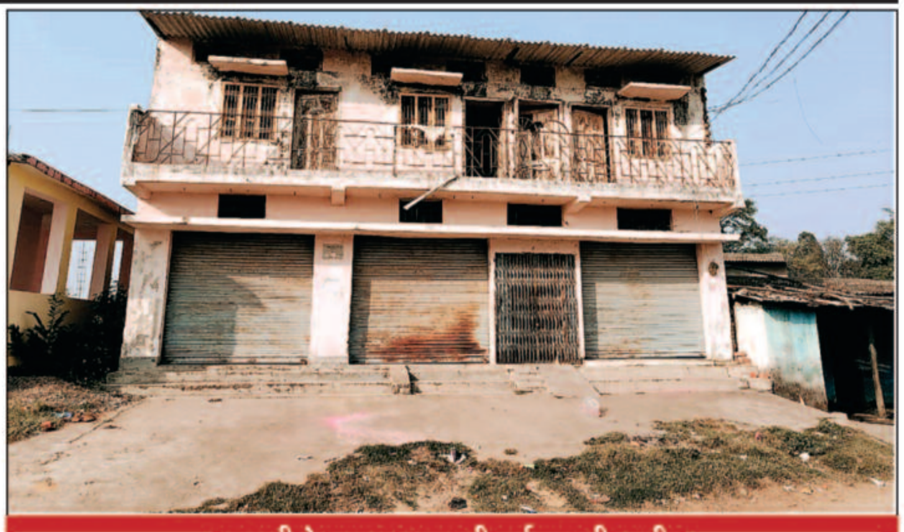

कबाड़ी के कबाड़ स्थान की वर्तमान की तस्वीर

-समरोज खान-
सूरजपुर 14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

13 अक्टूबर 2024 को घटित दोहरे हत्याकांड मामले को एक महीने होने वाला है जिस दिन यह मामला घटित हुआ था उस दिन से लेकर पूरे 30 दिन अलग-अलग माहौल में परिवर्तन हो रहे थे, जिस दिन घटना घटी उस दिन सहानुभूति कहा जाए तो प्रधान आरक्षक की पत्नी व मासूम बेटी की हत्या सभी को झिंझौड़ कर रख दी थी, इससे पूरा प्रदेश इस घटना से असहमत था तरह-तरह की बातें हो रही थी, आरोपियों के एनकाउंटर करने की मांग भी हो रही थी, तमाम तरीके से लोगों का विरोध उबाल मार रहा था, शहर जल रहा था, 13 अक्टूबर से लेकर 16 अक्टूबर 2024 तक के हालत पूरी तरीके से खराब हो चुके थे,घटना के पहले दिन सिर्फ एक ही मांग थी आरोपी की

नोटिस
कार्यालय वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर वनमण्डल सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक/सामान्य/2024/ 7460 दिनांक-29/10/2024
प्रति,
[illegible]
पुराना बस स्टैण्ड, [illegible] रोड, सूरजपुर
थाना-तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
द्वारा- वनपरिक्षेत्राधिकारी, वनपरिक्षेत्र सूरजपुर।
विषय- भारतीय वन अधिनियम संशोधन 1965 की धारा (80) (अ) के अंतर्गत कारण बताओ सूचना पत्र।
संदर्भ- 1-कार्या. वनपरिक्षेत्राधिकारी सूरजपुर का पत्र क्रमांक/1371 दिनांक- 30.09.2024
2-कार्या. उपवनमण्डलाधिकारी, उपवनमण्डल-सूरजपुर का पत्र क्र./1067 दिनांक 15.10.2024
--0--
[illegible]
वनमण्डलाधिकारी
सूरजपुर वनमण्डल सूरजपुर
पृष्ठांकन क्रमांक/सामान्य/2024/ 7461 दिनांक- 29/10/2024
[illegible]
वनमण्डलाधिकारी
सूरजपुर वनमण्डल सूरजपुर

हत्या व एनकाउंटर जिसमें पुलिस असफल रही, पर वही कुछ दिन बाद छत्तीसगढ़ में एनकाउंटर की बात भिलाई जिले में सुनने को मिली, इन दोनों मामले को लेकर सिर्फ एक ही बात आज भी लोगों के जहन में है क्या एनकाउंटर का फैसला किसी षड्यंत्र व बड़ी डील के तहत टला था? जब छत्तीसगढ़ में एनकाउंटर प्रथा नहीं है तो फिर दुर्ग में एनकाउंटर की कहानी कैसे रची गई? इस मामले में एक दूसरे पहलू को भी देखा जाए तो जैसे-जैसे समय बीत रहा वैसे-वैसे मामला सिर्फ पुलिस के फाइलों में व सही विवेचना पर आधारित हो गया है, अब प्रधान आरक्षक की बेटी व पत्नी के हत्यारे को सजा सिर्फ अब पुलिस की मजबूत विवेचना व सबूत ही दिला सकते हैं। यह घटना अब धीरे-धीरे समय के साथ लोगों के दिमाग से निकलता जा रहा है, सामान्य दिनों की तरह अब सब चीज होती जा रही है, पर यदि देखा जाए तो सामान्य किसी के लिए नहीं है तो वह है सूरजपुर के प्रधान आरक्षक के लिए, क्योंकि उसके लिए सामान्य होना शायद अभी मुमकिन नहीं। पर वही जिस अवैध कारोबारी के घर का लड़का ऐसे कृत को अंजाम दिया वह परिवार धीरे-धीरे कार्यवाहियों के बाद फिर से अपना पैर पसार रहा है, तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद भी कबाड़ के काम को अंदर खाने से किया जा रहा है, जहां तोड़फोड़ हुई थी उसे फिर से कबाड़ी की घर की महिलाओं के द्वारा संरक्षित किया जा रहा है, जिस कबाड़ की जप्ती होनी थी, वह सब कबाड़ बेचा जा रहा है आखिर इतने बड़े कृत्य के बाद भी इतना बड़ा साहस आरोपी के परिवार के द्वारा कैसे किया जा रहा है? क्या ऊपर से कोई अदृश्य शक्तियां इनके लिए काम कर रही हैं या फिर समाज का वोट बैंक का राजनीति इन्हें मदद कर रहा है? जबकि जिस घर की बात की जा रही है उस घर के आरोपियों द्वारा समाज के ही कई लोगों को प्रताड़ित किया है।

अवैध कारोबार में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल

कबाड़ी के परिवार की महिलाएं भी अवैध कारोबार में पीछे नहीं हैं,बताया जाता है कि वह पुरुषों के साथ ही शामिल हैं व्यवसाय में। जब सभी पुरुष जेल में हैं तब भी व्यापार जारी कबाड़ी परिवार का। अतिक्रमण वाली जमीन पर पुनः कब्जा महिलाएं ही कर रही हैं।

पक्ष-विपक्ष दोनों मामले में अब मौन, मामला क्या 27 प्रतिशत वाला

पूरे मामले में पक्ष विपक्ष दोनों मौन हैं। कांग्रेस जहां इसलिए भी मौन है क्योंकि सभी पकड़े गए आरोपी उसके सक्रिय और महत्वपूर्ण पदों के पदाधिकारी हैं वहीं भाजपा इसलिए क्योंकि सत्ता में रहकर वह ज्यादा बयान कैसे दे विरोध में। वैसे विरोध का काम कांग्रेस का होना चाहिए था और जिस तरह सत्ता रहते वह अन्य प्रदेशों में जाकर हत्या मामलों में वहां की गैर कांग्रेसी सरकारों को घेरते थे वैसे ही यहां घेरना चाहिए था। वैसे मामला 27 प्रतिशत वाले मामले से जुड़ा है यह भी अब लोग कहने लगे हैं।

वन भूमि पर कब्जा हटाने का नोटिस सिर्फ हुआ जारी...कार्यवाही ठंडे बस्ते में

कबाड़ी के वन भूमि पर किए गए कब्जे को हटाने भी नोटिस जारी हुआ था। बताया जा रहा है कि कबाड़ी का बेटा यहीं से अपनी रणनीति तैयार करता था गुंडागर्दी की और यही से उसका आतंक शुरू होता था बैठकी उसकी यहीं होती थी जो वन भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया गया भवन था जिसे नेस्तनाबूत करने नोटिस चस्पा हो चुका था और लग रहा था अब वह नेस्तनाबूत हो जाएगा लेकिन अब प्रशासन की ढिलाई कहें या उसकी तरफ से नजरअंदाज करना मामले को अब नहीं लगता वह भवन टूटेगा और कबाड़ी का अतिक्रमण अवैध वन भूमि से हटेगा,कुल मिलाकर लगता है कुछ न कुछ अंदरूनी मामला सेट हो चुका है जिसकी चर्चा है।

क्यों लोगों को लग रहा की प्रधान आरक्षक के पत्नी व बेटी का हत्यारा बच जाएगा?

सूरजपुर जिले के दोहरा हत्याकांड मामले में भले ही आरोपी सलाखों को पीछे पर पुलिस परिवार के साथ आरोपी ने जिस क्रूरता के साथ मानवता की हत्या की उसके बाद सभी को यह लगना चाहिए कि हत्यारे को सजा मिल जाएगी पर इस समय जो चर्चा का विषय है वह यह है कि हत्यारा बच निकलेगा, अब ऐसी धारणा लोगों के अंदर कैसे आ गई है? क्यों ऐसा सोच रहे हैं यह तो बड़ा विषय है? इस विषय पर यह हमने मंथन करने का प्रयास किया तो ऐसा लगा कि लोगों को पुलिस की कार्यवाही पर विश्वास नहीं है, दूसरा जो पहलू समझ में आया कि काफी पैसे वाले व्यक्ति है पैसे के प्रभाव में बच निकलेगा, तीसरा पहलू लोगों को यह लग रहा है कि पुलिस के पास कोई गवाह नहीं है। कहीं ना कहीं आम जनता पुलिस के अब तक के कार्यवाहियों से यह समझ चुकी है कि पुलिस की कार्यवाही सजा दिलाने में काम बचाने में ज्यादा देखी जाती है, इसी वजह से कुलदीप के बचने की आशंका उन्हें सता रही है, लोगों को कुलदीप के प्रति सहानुभूति नहीं पर उसे सजा मिले यह भी वह चाहते हैं पर उन्हें सिस्टम पर भरोसा नहीं हैं।

पट्टा ढाई डिसमिल का पर कब्जा कई डिसमिल में

जब आरोपी व कबाड़ियों के अवैध घर पर कार्यवाही हो रही थी, वह कार्यवाही पूरी हो भी नहीं पाई थी और प्रशासन का बुलडोजर रुक गया था, सूत्रों की माने तो प्रशासन को यह बताया गया था कि जो बचा है उसका पट्टा है पर वही सूत्र बताते हैं कि पट्टा सिर्फ ढाई डिसमिल का है पर कब्जा कई डिसमिल में था फिर भी न जाने किस बड़ी हस्ती का फोन आया था कि प्रशासन की कार्यवाही पट्टा होना बताकर रोक दी गई थी।

कबाड़ी के परिवार का पूरा पुरुष वर्ग जेल में फिर भी... अवैध जमीन व कारोबार को संरक्षित करने का प्रयास

सूरजपुर के कबाड़ी परिवार का पूरा पुरुष वर्ग जेल में है फिर भी अवैध जमीन और कारोबार को संरक्षित किया जा रहा है। यह काम घर की महिलाएं कर रही हैं यह बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऐसा लग ही नहीं रहा है कि कबाड़ी का परिवार जेल में है, सब कुछ सामान्य सा चल रहा है और कबाड़ी का के परिवार के अन्य सदस्य सबकुछ संरक्षित करने में लगे हुए हैं वहीं प्रशासन भी अब मामले में ढील देता नजर आ रहा है और उसकी तरफ से कार्यवाही अब धीमी कहें या बंद नजर आ रही हैं।

52 परियों का बाजार कोरिया में सजने लगा

कोरिया जिले में कई जगह हो रहा जुआ फड़ संचालित

क्या जुआ की जानकारी नहीं है पुलिस विभाग को?

-संवाददाता-
कोरिया, 14 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक बार फिर कोरिया जिले में जुआ का अवैध कारोबार पैर पसारने लगा है, जुआ के शौकीन फिर से 52 परियों का बाजार लगने लगे हैं, बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है और इसमें रोज लाखों के दाव लगा रहे हैं पर बड़ा सवाल यह है कि पुलिस मूकदर्शक कैसे बनी हुई है या तो उसे जानकारी नहीं है या फिर जानकर भी अनजान है? वैसे सूत्रों का मानना है कि पटना थाना क्षेत्र के कूड़ेली, सरभोका, बुढ़ार व तेंदुआ गांव में बड़े पैमाने पर जुआ हो रहा है, कोरिया जिले के जुआ के किंग कहलन वाले ही जुआ का कारोबार संचालित कर रहे हैं, सूत्रों का दावा है कि जुआ फड संचालित करने वाले पुलिस सठ गांठ से ही जुआ का खेल संचालित कर रहे हैं, जिससे पुलिस को भी मुनाफा होने की खबर, जुआ के संचालन में पटना पुलिस की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है आखिर क्या पटना थाना प्रभारी जुआ के इस अवैध कारोबार से अनजान है या फिर उनकी भी इच्छा के अनुसार यह संचालित हो रहा है? जुआ फड़ दीपावली के पहले से ही चल रहा है बीच में डीएसपी ने तेंदुआ पंचायत में छाप मारा था जिसके बाद कुछ दिनों के लिए जुआ बंद हो गया था पर एक बार फिर से जुआ का कारोबार तेजी से हो रहा है, दूर-दूर से लोग आकर संचालित हो रहे हुए फंड में दाव लगा रहे हैं। कोरिया जिले भले ही चार थाने वाला जिला है पर इसके बावजूद भी यहां पर अवैध कारोबार पर नियंत्रण नहीं लग पा रहा है, ऐसा क्यों है? यह तो संबंधित विभाग को सोचना चाहिए पर इस छोटे से जिले में भी यदि अवैध कारोबार अंकुश नहीं लग पा रहा है तो फिर पूरा प्रदेश में कैसे अंकुश लगेगा? यह भी सरकार के लिए बड़ा सवाल हो सकता है? सरकार की मंशा छोटा जिला बनाकर प्रशासनिक अधिकारियों अंतिम छोर तक पहुंचाना था, जहां तक वह पहुंच नहीं पाते थे, पर सवाल यह है कि जिला छोटा होने के बाद भी क्या प्रशासनिक अधिकारी के पहुंच से बहुत चीज दूर हैं? क्या इसी वजह से अवैध कारोबार की जड़े खत्म नहीं हो रही? इस समय कोरिया जिले में जुआ फड़ संचालन बहुत तेजी से संचालित हो रहा है, पर अंकुश लगाने वाले हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। पटना थाना क्षेत्र में ही सबसे ज्यादा इस समय जुआ का खेल संचालित हो रहा है ऐसा सूत्रों का दावा है।

जिला कलेक्टर ने विधिवत पूजा पाठ कर धान खरीदी का किया शुभारंभ

किसानों को शाल, श्रीफल और फूलमाला से किया गया सम्मानित,वहीं जिला कलेक्टर के कार्यक्रम में विद्यालय के समय में जनपद उपाध्यक्ष के शिक्षक पति की उपस्थिति भी बनी आश्चर्य का विषय

जनपद उपाध्यक्ष के शिक्षक पति किसी फोटो के फेम में तो नहीं आए,बल्कि फोटो वीडियो से बचते रहे

एक तरफ जिला कलेक्टर द्वारा शिक्षा व्यवस्था सुचारु करने के लिए चलाई जा रही मुहिम, वहीं दूसरी तरफ विद्यालय के समय में शिक्षक उन्हीं के कार्यक्रम में पीठ पीछे शिरकत करते आया नजर

-रवि सिंह-
कोरिया, 14 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रदेश के किसानों से एक-एक दाना उपार्जित अन्न समर्थन मूल्य खरीदी करने का शुभारंभ सत्र 2024-25 में धान खरीदी केंद्रों में आज से प्रारंभ हुआ। पूरे प्रदेश के सभी धान खरीदी केंद्रों में एक साथ विधिवत धान खरीदी का शुभारंभ पूरे प्रदेश में जिले के अधिकारियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, और प्रदेश की राजनीति में अपनी पैठ रखने वाले राजनीतिज्ञों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कोरिया जिले में निर्धारित लगभग सभी धान खरीदी केंद्रों में भी आज से धान खरीदी पर्व का शुभारंभ हुआ। जिले की तेज तर्रार महिला कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति तरगांव में विधिवत पूजा पाठ के द्वारा धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित किसानों का शाल, श्रीफल, और फूलमालाओं द्वारा स्वागत भी किया गया। जिले के कलेक्टर द्वारा समिति में समुचित व्यवस्था करने, किसानों को किसी प्रकार की तकलीफ ना हो इसका ध्यान रखने, और खरीदी में पारदर्शिता रखने का भी निर्देश समिति के कर्मचारियों को दिया गया।

ज्ञात हो की जैसा रुख वर्तमान कलेक्टर के जिले में पदस्थापना के बाद देखा जा रहा है, इस बात की पूरी संभावना है कि किसी प्रकार की गड़बड़ी उत्पन्न होने और करने से पहले कर्मचारियों को कई बार सोचना पड़ेगा।

परंतु धान खरीदी केंद्र तरगांव में शुभारंभ के कार्यक्रम में एक अजीब बात यह देखने को मिली कि कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के पति जो पेशे से शासकीय शिक्षक है, वह भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहा। धान खरीदी के शुभारंभ का यह कार्यक्रम जिस वक्त चल रहा था, वह विद्यालय के समय का था। और जनपद उपाध्यक्ष के पति को अपने विद्यालय में उपस्थित होना था। परंतु वह अपनी राजनीतिज्ञ पत्नी के साथ जिला कलेक्टर के कार्यक्रम में मौजूद दिखाई दिया। हालांकि कार्यक्रम में मौजूद होने के बाद भी उक्त शिक्षक किसी फोटो, वीडियो में आने से बचता रहा। परंतु प्रत्यक्ष दर्शकों ने उसकी वहां मौजूदगी को लेकर आश्चर्य जताया और तरह-तरह की चर्चाएं की। क्योंकि एक तरफ जहां जिला कलेक्टर द्वारा जिले के शिक्षण व्यवस्था को सुधार करने के लिए मुहिम चलाई गई है, शिक्षकों की नियमित और समय अनुसार उपस्थिति, छात्रों के विधिवत अध्यापन और अन्य गतिविधियों की मॉनिटरिंग करने के लिए जिला कलेक्टर द्वारा जहां जिले के छह दर्जन से अधिक अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया है। वही विद्यालय के समय में शिक्षक द्वारा विद्यालय में उपस्थित न होकर जिला कलेक्टर के कार्यक्रम में ही पीठ पीछे शिरकत करते हुए नजर आना लोगों के लिए चर्चा का विषय बना रहा। और लोगों द्वारा यह भी कहा गया कि जब शिक्षक ही राजनीति करेंगे, विद्यालय में उपस्थित नहीं रहेंगे तो छात्रों के भविष्य का तो भगवान ही मालिक है।

विशेष आवश्यकता पर ऑनलाइन अवकाश की व्यवस्था है राज्य सरकार द्वारा...

पूरे प्रदेश में शिक्षकों के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति में अवकाश की व्यवस्था दी है। परंतु इस सत्र में यह अनिवार्य कर दिया गया है कि यह विभिन्न प्रकार के अवकाश उन्हें विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर ही प्राप्त होंगे। इस प्रकार जिले के शिक्षकों को भी अवकाश के लिए ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों प्रकार का आवेदन करना अनिवार्य है। यदि उपाध्यक्ष पति ने अवकाश लेकर अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में शिरकत किया तो यह अवकाश ऑनलाइन पोर्टल पर दिखाई देगा। परंतु बड़ा सवाल यह भी है कि शासन द्वारा प्रदत्त विभिन्न प्रकार के अवकाश विशेष परिस्थितियों और निजी कार्यों के संपादन के लिए दिए जाते हैं। ना की राजनीति करने के लिए। यदि उपाध्यक्ष पति द्वारा अवकाश लेकर कार्यक्रम में शिरकत किया गया तो तो उन्हें फोटो वीडियो से छुपने की आवश्यकता नहीं थी। अब आगे देखने वाली बात यह होगी कि जिले के कलेक्टर द्वारा शिक्षण व्यवस्था को सुधारने के लिए चलाई जा रही मुहिम को सफलता मिलेगी, या ऐसे शिक्षक जो वेतन तो राज्य सरकार से ले रहे हैं, परंतु विद्यालयों से अनुपस्थित रहकर, ठेकेदारी, नेतागिरी और अन्य गतिविधियों में संलिप्त होकर शासकीय विद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। क्या वे कलेक्टर महोदय के मुहिम और उद्देश्य को धता बताने में सफल होंगे।

जिला कलेक्टर के महत्वाकांक्षी मुहिम को तथाकथित नेता जैसे शिक्षक लगा रहे पलीता

जब से वर्तमान कलेक्टर ने जिले में पदभार संभाला है, उनकी विशेष रुचि शिक्षण व्यवस्था को सुधारने में है। और जिसके क्रियान्वयन के लिए जिला कलेक्टर द्वारा लगातार विद्यालय में निरीक्षण भी किया जा रहा है। इसकी अतिरिक्त समय-समय पर विभागीय अधिकारियों की मीटिंग लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी जिला कलेक्टर द्वारा जारी किए जा रहे हैं। जिनको आगे बढ़ाते हुए जिला कलेक्टर ने जिले के लगभग 70 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी विद्यालय के मॉनिटरिंग कार्य में लगा कर रखी है। जिनका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की समय अनुसार नियमित उपस्थिति की निगरानी, छात्रों को उचित शिक्षण प्राप्त हो रहा है कि नहीं, इसकी निगरानी, गैर शैक्षणिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं या नहीं, इसकी निगरानी के लिए आदेशित किया गया है। जिला कलेक्टर के इस कड़ाई के बावजूद भी जिले के कई शिक्षक बाज नहीं आ रहे हैं, और विद्यालय के समय में अपनी नेतागिरी चमका रहे हैं। जिसकी बानगी धान खरीदी 2024-25 के शुभारंभ के अवसर पर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति तरगांव में देखने को मिली, जहां बैकुंठपुर जनपद के उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के पति, जिन्हें उक्त समय पर अपने विद्यालय में उपस्थित रहकर बच्चों को अध्यापन कार्य करना था, वह भी जिला कलेक्टर के कार्यक्रम में नजर आए। हालांकि उपाध्यक्ष पति ने इतनी सतर्कता बरती की वह किसी फोटो वीडियो में नजर नहीं आए।परंतु प्रत्यक्षदर्शी और उपस्थित लोगों ने उनकी मौजूदगी को आश्चर्यजनक बताया।

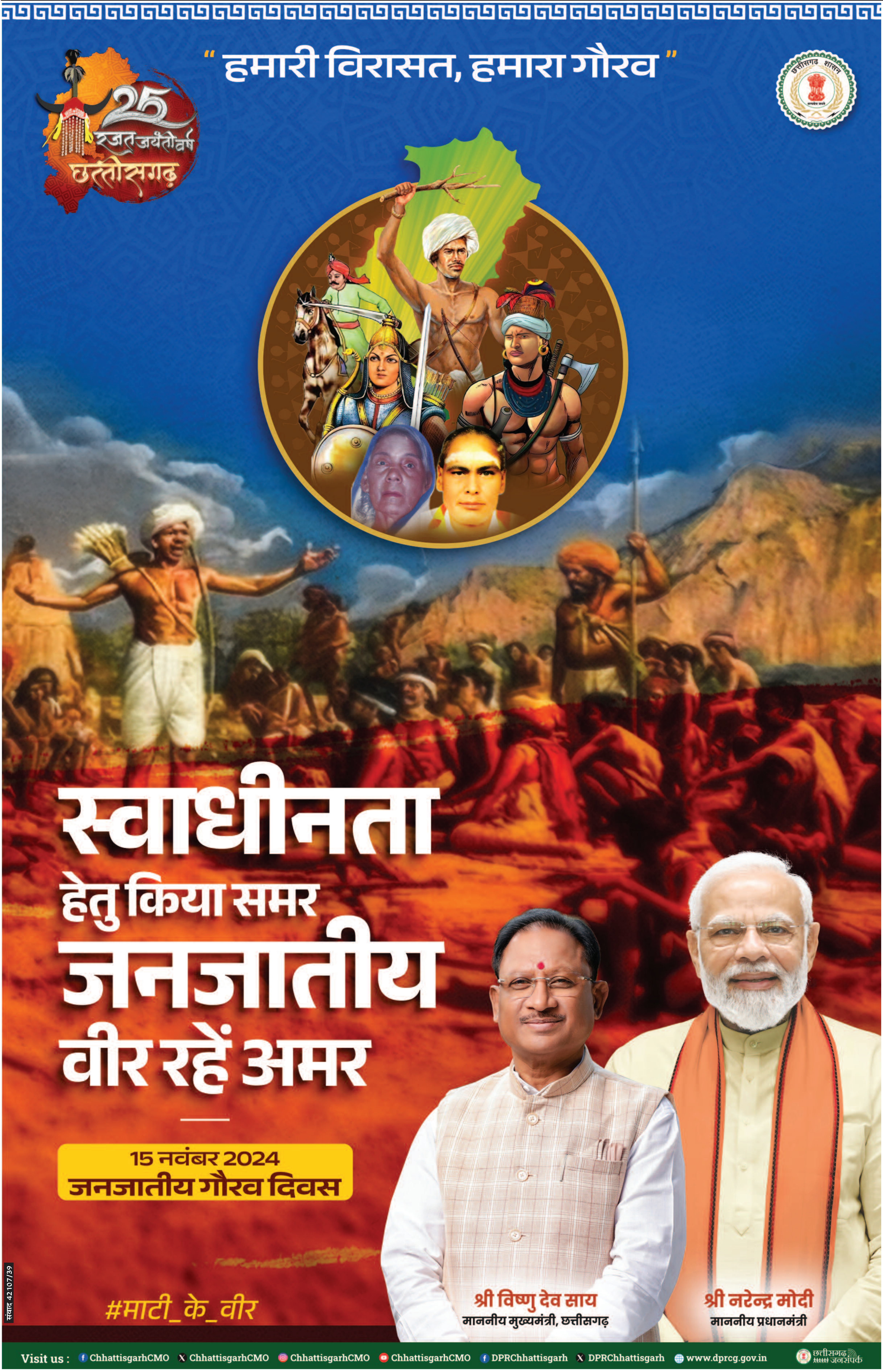
" हमारी विरासत, हमारा गौरव "
25
रजत जयंती वर्ष
छत्तीसगढ़
स्वाधीनता
हेतु किया समर
जनजातीय
वीर रहें अमर
15 नवंबर 2024
जनजातीय गौरव दिवस
#माटी_के_वीर
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
संवाद 42107/39
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

CMYK

जनजातीय कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

जल-जंगल-जमीन का दिया नारा, सदा रहे निज धाम
मातृभूमि पर स्व राज हो, बिरसा का पैगाम

पिछले 10 सालों में...

- 58 लाख आवास, 1.5 करोड़ शौचालय और 91 लाख आयुष्मान कार्ड से वनबंधुओं को मिला गरिमामय जीवन
- 5 करोड़ लोगों के लिए ₹80,000 करोड़ से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान
- देश के 476 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 1.33 लाख ST वर्ग के विद्यार्थी कर रहे पढ़ाई
- 3900 वन धन विकास केंद्रों के माध्यम से 12 लाख लोग उद्यमिता से जुड़े
- 23 लाख+ लोगों को जमीन के हक मिले, 2014 के 55 लाख एकड़ के मुकाबले 191 लाख एकड़ के लैंड टाइटल वितरित
- MSP पहले केवल 12 वन-उत्पादों पर मिलता था, अब मिलता है 87 वन-उत्पादों पर
- सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए 4.6 करोड़ लोगों की जांच की गई
- भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित
- जनजातीय शौर्य और वीरता को मिला सम्मान, 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के निर्माण को मंजूरी

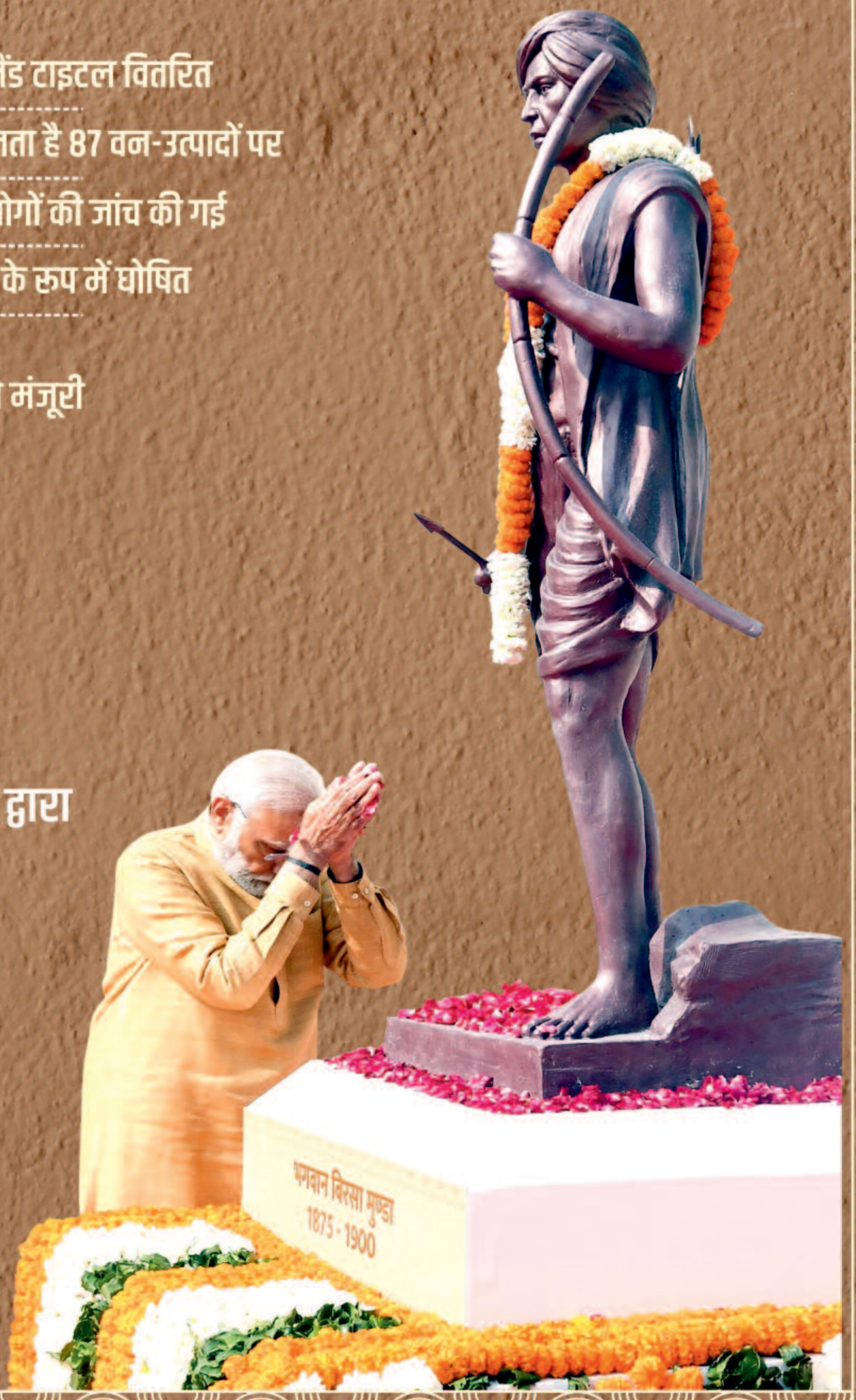

15 नवंबर 2024

जनजातीय गौरव दिवस पर
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा
₹6600 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ, शिलान्यास एवं लोकार्पण

समय : सुबह 11:00 बजे | स्थान : जमुई, बिहार

आज से शुरू हो रहा है
धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा का
150वां जन्म जयंती वर्ष

#BirsaMunda150
#JanjatiyaGauravDiwas

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर @TribalAffairsIn MinistryofTribalAffairs

cbc 43101/13/0012/2425

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)